दैनिक
स्वर्णिम प्रदेश
swarnimpradesh
http://www.swarnimpradesh.in
http://epaper. swarnimpradesh.in
Email- swarnimpradesh@yahoo.com
संरक्षक: मां वैष्णों देवी
सभी देशवासियों को 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं!
* वर्ष: 08 * अंक : 206 * मुंबई, सोमवार, 26 जनवरी 2026 * पेज: 6 * मूल्य: 2 रुपये * संपादक: सुनील कुमार तिवारी

समस्त पाठकों, विज्ञापनदाताओं, शुभचिंतकों एवं देशवासियों को 77वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।
साथ ही सूचित किया जाता है कि गणतंत्र दिवस की छुट्टी के कारण अगली मुलाकात बुधवार को होगी।
– संपादक

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति का राष्ट्र के नाम संदेश
भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

संवाददाता

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को राष्ट्र के नाम संबोधन में देशवासियों को २६ जनवरी की शुभकामनाएं दीं। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत निरंतर आर्थिक प्रगति कर रहा है और विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि गणतंत्र दिवस का पर्व देश के अतीत, वर्तमान और भविष्य पर आत्ममंथन का अवसर प्रदान करता है।

१५ अगस्त १९४७ को स्वतंत्रता प्राप्ति के साथ भारत ने अपनी दिशा स्वयं तय की और २६ जनवरी १९५० को संविधान लागू होने के साथ देश ने एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित की। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान विश्व इतिहास के सबसे बड़े गणतंत्र का मूल आधार है, जो न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मूल्यों को सुदृढ़ करता है। राष्ट्रपति ने कहा कि रक्षा क्षेत्र

में आत्मनिर्भरता ने 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसी ऐतिहासिक सफलताओं को संभव बनाया है। उन्होंने राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने वाले प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि लोकतंत्र की मजबूती में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अपने संबोधन में राष्ट्रपति मुर्मू ने महिलाओं की भूमिका को विशेष रूप से रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि मतदान में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी हमारे गणतंत्र को और अधिक सशक्त बनाती है। विकसित भारत के निर्माण में 'नारी शक्ति' की भूमिका निर्णायक होगी। (शेष पेज २ पर)

बार्शी में दोनों कट्टर विरोधी शिवसेना एक साथ
भाजपा के पास पैसा ज्यादा, हमारे पास मानसिक ताकत: सुषमा अंधारे

संवाददाता

मुंबई। उद्धव ठाकरे गुट की उपनेता सुषमा अंधारे ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए कहा है कि भाजपा कोई 'धुले चावल का दल' नहीं है, बल्कि उसके पास सिर्फ पैसा और मनी-मसल की ताकत ज्यादा है, जबकि उसे टक्कर देने के लिए हमारे पास मानसिक शक्ति और संघर्ष की ताकत है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वे एक साधारण आंदोलनकारी कार्यकर्ता हैं और महिला होने का कभी विक्टिम कार्ड नहीं खेलतीं। साथ ही उन्होंने दो टूक कहा कि उन्हें महिला समझकर हल्के में न लिया जाए। सुषमा अंधारे ने कहा कि शिवसेना में पहली बार किसी महिला को जिला संपर्क प्रमुख की जिम्मेदारी दी गई है और वे मजबूती से लड़ रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जो भी (शेष पेज २ पर)

गठबंधन पंजीकरण में अड़चन: बीएमसी महापौर चुनाव स्थगित

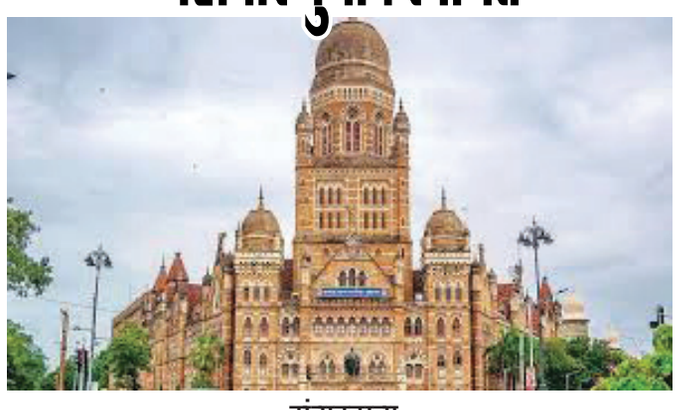

संवाददाता

मुंबई। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) में महापौर पद के लिए प्रस्तावित चुनाव फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। भाजपा और शिवसेना के बीच गठबंधन (संयुक्त समूह) के पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी न हो पाने के कारण प्रशासन को यह फैसला लेना पड़ा है। चुनाव टलने से मनपा की राजनीतिक गतिविधियों में अस्थायी ठहराव आ गया है और सत्ता समीकरणों को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। महापौर पद के लिए आरक्षण की घोषणा के बाद बीएमसी प्रशासन ने ३१ जनवरी को मतदान कराने का कार्यक्रम तय किया था। इसके तहत २७ जनवरी को नामांकन पत्र दाखिल किए जाने थे और चुनाव से संबंधित विज्ञापन जारी करने की भी तैयारी पूरी कर ली गई थी। हालांकि, अंतिम समय में तकनीकी और राजनीतिक कारणों से यह कार्यक्रम स्थगित करना पड़ा। बीएमसी प्रशासन के अनुसार, भाजपा और शिवसेना का संयुक्त समूह पंजीकरण अब तक पूरा नहीं हो सका है। नियमों के मुताबिक, किसी भी गठबंधन या समूह का औपचारिक पंजीकरण हुए बिना महापौर चुनाव कराना संभव नहीं होता। (शेष पेज २ पर)

पद्म पुरस्कार 2026 की घोषणा: महाराष्ट्र के 15 विभूतियों को मिलेगा देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

संवाददाता

नई दिल्ली। देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल पद्म पुरस्कारों की घोषणा आज कर दी गई। कला, खेल, विज्ञान, व्यापार, उद्योग और समाजसेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कुल १३१ विशिष्ट व्यक्तियों को वर्ष २०२६ के लिए पद्म पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इनमें महाराष्ट्र के १५ विभूतियों को यह सम्मान मिला है। महाराष्ट्र को इस वर्ष एक पद्म विभूषण, तीन पद्म भूषण और ११ पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर इन प्रतिष्ठित पुरस्कारों की घोषणा की जाती है। वर्ष २०२६ के लिए देशभर से चयनित १३१ पुरस्कार विजेताओं में ५ पद्म विभूषण, १३ पद्म भूषण और ११३ पद्मश्री शामिल हैं।

इस वर्ष १९ महिलाएं, ६ विदेशी अथवा अनिवासी भारतीय, तथा १६ व्यक्तियों को मरणोपरांत यह सम्मान प्रदान किया गया है। हिंदी फिल्म जगत के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र सिंह देओल को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया है। पद्म भूषण श्रेणी में महाराष्ट्र से तीन प्रमुख नाम शामिल हैं—प्रसिद्ध पार्श्वगायिका अलका याज्ञिक (कला), विज्ञापन जगत के दिग्गज पीयूष पांडे (मरणोपरांत– कला) और बैंकिंग व उद्योग क्षेत्र के अग्रणी उदय कोटक (व्यापार एवं उद्योग)। पद्मश्री पुरस्कार के

लिए महाराष्ट्र के ११ मान्यवरों के नाम घोषित किए गए हैं। खेल क्षेत्र से क्रिकेटर रोहित शर्मा, चिकित्सा क्षेत्र में योगदान के लिए श्रीमती आर्मिडा फर्नांडिस, समाजसेवा के लिए जनार्दन बापुराव बोथे, तथा कृषि क्षेत्र से श्रीरंग देवाबा लाड को सम्मानित किया गया है।

कला क्षेत्र में भिकल्या लाडक्या धिंडा, माधवन रंगनाथन, रघुवीर तुकाराम खेडकर और सतीश शाह (मरणोपरांत) को पद्मश्री प्रदान किया गया है। इसके अतिरिक्त व्यापार एवं उद्योग क्षेत्र से अशोक खाडे और सत्यनारायण नुवाल, जबकि विज्ञान एवं अभियांत्रिकी क्षेत्र से जुझेर वासी को यह सम्मान दिया गया है। इन सभी पुरस्कारों को मार्च–अप्रैल २०२६ में राष्ट्रपति भवन में आयोजित विशेष समारोह में राष्ट्रपति के हाथों प्रदान किया जाएगा।

नागौर में अवैध विस्फोटकों का जखीरा बरामद, 9,550 किलो अमोनियम नाइट्रेट जब्त, एक गिरफ्तार

संवाददाता

नागौर, राजस्थान। जिले में अवैध विस्फोटक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए थांवला थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) ने संयुक्त ऑपरेशन में भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की है। पुलिस ने ग्राम सरहद हरसौर स्थित एक खेत में बने मकान पर छापेमारी कर करीब ९,५५० किलोग्राम अमोनियम नाइट्रेट समेत अन्य विस्फोटक उपकरण जब्त किए हैं। इस दौरान ५८ वर्षीय आरोपी सुलेमान खान पुत्र करीम खान को मौके से गिरफ्तार किया गया है, जो इसी क्षेत्र का निवासी बताया जा रहा है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशाराम चौधरी के सुपरविजन में अंजाम दी गई। एसपी कच्छावा ने बताया कि जिला स्पेशल टीम को गोपनीय सूचना मिली थी कि हरसौर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध विस्फोटकों का भंडारण किया गया है। सूचना की पुष्टि के बाद (शेष पेज २ पर)

गुरु तेग बहादुर साहिब का बलिदान मानवता और धर्म की रक्षा के लिए था: मुख्यमंत्री फडणवीस
'हिंद-दी-चादर' श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी समागम कार्यक्रम में लाखों श्रद्धालुओं की रही उपस्थिति

संवाददाता

नांदेड। 'हिंद-दी-चादर' श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी का बलिदान केवल सिख धर्म के लिए नहीं, बल्कि सत्य, धर्म, स्वतंत्रता और मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए था। उनका सर्वोच्च त्याग आज भी हमें निर्भीक होकर अन्याय के विरुद्ध खड़े रहने की प्रेरणा देता है। इसी उद्देश्य से राज्य सरकार ने उनके विचारों और इतिहास को जनता तक पहुँचाने का निर्णय लिया है, रविवार को यह प्रतिपादन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया। नांदेड के मोदी मैदान में आयोजित श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के ३५०वें शहीदी समागम कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि गुरु तेग बहादुर साहिब का बलिदान देश की संस्कृति, सभ्यता और सभी धर्मों की रक्षा के लिए था। उनके पराक्रम, शौर्य और सर्वोच्च त्याग को नमन करने के लिए लाखों श्रद्धालु नांदेड की ऐतिहासिक भूमि पर एकत्र हुए हैं।

उनके बलिदान से पूरे देश में धर्म, आत्मसम्मान और स्वतंत्रता के लिए संघर्ष की नई चेतना जागृत हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह शहीदी समागम केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि गुरु तेग बहादुर साहिब का गौरवशाली इतिहास प्रत्येक गाँव, वाड़ी और बस्ती तक पहुँचाने का व्यापक अभियान है। साथ ही राज्य सरकार ने सिख गुरुओं के इतिहास को

विद्यार्थियों तक पहुँचाने का दायित्व भी अपने हाथ में लिया है, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ इस विरासत से परिचित हो सकें। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अजित पवार, आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री कोनिडेला पवन कल्याण, राज्य के मंत्री गिरीश महाजन, पंकजा मुंडे, बाबासाहेब पाटील, पालकमंत्री अतुल सावे, दिल्ली सरकार के मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा, पूर्व मुख्यमंत्री व सांसद अशोक चव्हाण सहित अनेक सांसद, विधायक, वरिष्ठ अधिकारी और धार्मिक-सामाजिक प्रतिनिधि उपस्थित थे। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि गुरु तेग बहादुर साहिब का बलिदान किसी एक धर्म तक सीमित नहीं था, बल्कि सम्पूर्ण मानव सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए था। अत्याचारी शासकों की दमनकारी नीतियों के विरुद्ध उन्होंने विचार-स्वतंत्रता और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने अंधविश्वास और कुप्रथाओं के विरुद्ध जनजागरण किया तथा धर्मशालाओं, कुओं और जनकल्याणकारी कार्यों के माध्यम से समाज को नई दिशा दी। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने मराठी में अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए महाराष्ट्र में पुनः आने की खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर साहिब के बलिदान की स्मृति में आयोजित यह समागम अविस्मरणीय है। युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर देश को नई ऊँचाइयों तक ले जाने और अखंडता बनाए रखने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज, संत तुकाराम, संत ज्ञानेश्वर, महात्मा फुले और डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की परंपरा का (शेष पेज २ पर)

संपादकीय

हिंदू एकता या हिंदू विभाजन की राजनीति?

हिंदूवादी राजनीति के मंचों से यह नारा बड़े जोर-शोर से उछाला जाता रहा है कि हिंदुस्तान में रहने वाला हर नागरिक हिंदू है। यदि इस विचारधारा को शाब्दिक रूप से स्वीकार कर लिया जाए, तो फिर मुसलमान, ईसाई, सिख—सभी हिंदू ही ठहरते हैं। इस वैचारिक उलझन को एक क्षण के लिए अलग रख दें, तो मौजूदा सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी की राजनीति हिंदुओं को एकजुट करने के बजाय उन्हें आपस में बांटने और परस्पर वैमनस्य की ओर धकेलती अधिक दिखाई देती है। आज स्थिति यह है कि एक ओर आदिवासी समाज स्वयं को हिंदू कहे जाने का विरोध करता है। इसके पीछे केवल धार्मिक पहचान का प्रश्न नहीं, बल्कि जल, जंगल और जमीन से बेदखली की पीड़ा भी छिपी है। आदिवासियों की पारंपरिक जीवन-व्यवस्था को कॉरपोरेट हितों के हवाले किए जाने का भय उन्हें हिंदू पहचान से दूरी बनाने को विवश करता है। यह अलगाव स्वाभाविक है, लेकिन इसे समझने और सुलझाने के बजाय सत्ता इसे और गहरा करने में लगी प्रतीत होती है। दूसरी ओर, सुनियोजित तरीके से ब्राह्मणों को 'यूरेशियाई' या 'विदेशी' बताने का चलन सोशल मीडिया के माध्यम से फैलाया गया। यहां तक कि ब्राह्मण समाज को देश से भगाने जैसे उग्र और घृणास्पद नारे भी उछाले जाने लगे। राजपूतों की उत्पत्ति को लेकर भी अनेक अपमानजनक और भ्रामक सिद्धांतों का प्रचार किया गया। इसका कारण स्पष्ट है—बिना किसी आरक्षण के अपनी मेधा और परिश्रम के बल पर ब्राह्मण और राजपूत समाज का प्रशासनिक, न्यायिक और बौद्धिक क्षेत्रों में प्रभाव। इतिहास साक्षी है कि चाहे मुगल रहे हों या अंग्रेज, दोनों ही ब्राह्मणों की बौद्धिक शक्ति से भयभीत रहे।

अकबर ने स्वयं स्वीकार किया था कि ब्राह्मणों को युद्ध में पराजित नहीं किया जा सकता। १८५७ की क्रांति में अंग्रेज अधिकारी पर गोली चलाने वाले पहले क्रांतिकारी मंगल पांडेय ब्राह्मण थे। बलिया बागी का विद्रोह भी इसी चेतना का प्रतीक था। अंग्रेजों की 'फूट डालो, राज करो' नीति के तहत पेशवाओं के विरुद्ध महारों को उकसाकर युद्ध कराना इसी सामाजिक विभाजन का उदाहरण है। राजपूतों का इतिहास भी स्वाभिमान और प्रतिरोध का इतिहास है। महाराणा प्रताप ने अकबर जैसे शक्तिशाली सम्राट के सामने कभी घुटने नहीं टेके। भामाशाह ने अपना सर्वस्व राष्ट्र को समर्पित कर दिया और भील आदिवासियों ने छापामार युद्ध से मुगल सेनाओं को भारी क्षति पहुंचाई। स्वतंत्रता संग्राम में ब्राह्मणों, क्षत्रियों, मुसलमानों और आदिवासियों—सभी ने मिलकर बलिदान दिया। पंडित रामप्रसाद बिस्मिल, चंद्रशेखर आज़ाद, अशफाक उल्लाह खान, भगत सिंह, ठाकुर रोशन सिंह—ये सभी केवल भारतीय थे, किसी जाति या मजहब की सीमाओं में बंधे नहीं। स्वतंत्रता के बाद संविधान में सामाजिक न्याय के उद्देश्य से आरक्षण की व्यवस्था की गई, वह भी मात्र दस वर्षों के लिए। लेकिन राजनीति ने इसे स्थायी हथियार बना दिया। डॉ.भीमराव आंबेडकर की आशंका सच साबित हुई—आरक्षण सामाजिक न्याय से अधिक वोट बैंक का साधन बन गया। 'जिसकी जितनी आबादी, उसकी उतनी हिस्सेदारी' जैसे नारे योग्यता और प्रतिस्पर्धा की भावना को समाप्त करने लगे। आज स्थिति यह है कि ९० प्रतिशत अंक पाने वाला विद्यार्थी केवल जाति के आधार पर अयोग्य ठहरा दिया जाता है, जबकि ४०–५० प्रतिशत अंक पाने वाला चयनित हो जाता है। क्या यह मौलिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं है? क्या यह सामाजिक न्याय है? आरक्षण ने अनेक समुदायों को आत्मनिर्भर बनाने के बजाय राजनीतिक रूप से अपंग बना दिया है। चीन का उदाहरण सामने है—भारत से बाद में आज़ाद होकर भी उसने बिना आरक्षण के नीति के कारण आर्थिक और तकनीकी प्रगति में हमसे कहीं आगे छलांग लगा ली। इसी बीच बेरोजगारी चरम पर है, करोड़ों सरकारी पद खाली हैं, लेकिन उन्हें भरने की इच्छाशक्ति नहीं दिखती। गंगा और गौ-रक्षा के नाम पर राजनीति करने वाली सरकार के दौर में गौमांस निर्यात बढ़ता है और चंदे की राजनीति फलती-फूलती है। राम को चुनावी ब्रांड बनाने वाली सत्ता आज रामायण और महाभारत को 'कहानी' बताने लगी है। यह वही राम हैं जिनकी पूजा करोड़ों हिंदू घरों में होती है, जिन पर अखंड रामायण पाठ और रामलीला की परंपरा जीवित है—भारत ही नहीं, इंडोनेशिया तक। सबसे चिंताजनक प्रसंग है हिंदुओं के सर्वमान्य गुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के साथ हुआ व्यवहार। उन्हें पारंपरिक स्नान से रोका गया, उनके बटुकों को पीटा गया, प्रमाण मांगा गया कि वे शंकराचार्य हैं या नहीं। जब प्रधानमंत्री स्वयं उनके चरणों में झुककर आशीर्वाद ले चुके हैं, तो अब प्रशासन को उनका अस्तित्व संदिग्ध क्यों लगने लगा? क्या इसलिए कि उन्होंने अधूरे राममंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा को शास्त्र-विरुद्ध बताया? क्या इसलिए कि उन्होंने बुलडोजर न्याय पर सवाल उठाए? एक ओर सत्ता के चाटुकार बाबाओं को सुरक्षा और सम्मान मिलता है, दूसरी ओर सच बोलने वाले संतों का अपमान किया जाता है। क्या यही हिंदुत्व है? क्या यही हिंदू राष्ट्र की परिकल्पना है? सरकार का धर्म समाज को जोड़ना होता है, तोड़ना नहीं। जिन सवर्ण समाजों ने भाजपा को सत्ता तक पहुंचाया, आज उन्हीं को अपमानित कर हिंदू एकता का दावा कैसे किया जा सकता है? यदि हिंदू राष्ट्र का अर्थ सामाजिक अन्याय, वैमनस्य और अपमान है, तो ऐसे हिंदू राष्ट्र की आवश्यकता ही क्या है? हिंदुत्व का अर्थ परस्पर सम्मान, समरसता और सत्य के साथ खड़ा होना है—न कि सत्ता के लिए समाज को बांटना। इतिहास गवाह है, जो सत्ता साधु-संतों और समाज की चेतना से टकराती है, उसका पतन अवश्यंभावी होता है।

पेज 1 का शेष...

गणतंत्र दिवस की पूव...

उन्होंने बताया कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान से बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहन मिला है, जबकि 'प्रधानमंत्री जन-धन योजना' के तहत खोले गए ५७ करोड़ से अधिक बैंक खातों में लगभग ५६ प्रतिशत खाते महिलाओं के हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि आज महिलाएं परंपरागत रूढ़ियों को तोड़कर हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। दस करोड़ से अधिक महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर आर्थिक सशक्तिकरण की नई मिसाल कायम कर रही हैं। खेत-खलिहानों से लेकर अंतरिक्ष तक, खेल से लेकर सशस्त्र बलों तक, महिलाएं देश के विकास में सक्रिय योगदान दे रही हैं। उन्होंने खेल जगत में महिलाओं की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप, ब्लाइंड महिला टी२० विश्व कप और शतरंज विश्व कप में भारतीय बेटियों की सफलता पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। राष्ट्रपति ने पंचायती राज संस्थाओं में लगभग ४६ प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व का उल्लेख करते हुए कहा कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। इससे महिला नेतृत्व द्वारा विकास की सोच को अभूतपूर्व बल मिलेगा और भारत समावेशी गणतंत्र का आदर्श उदाहरण बनेगा। किसानों का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि अन्नदाता किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। उनकी मेहनत के बल पर भारत खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बना है और कृषि उत्पादों का निर्यात कर रहा है। किसानों को उचित मूल्य, रियायती ऋण, बीमा सुरक्षा, उन्नत बीज, सिंचाई सुविधाएं और आधुनिक कृषि पद्धतियों से जोड़ने को प्राथमिकता दी जा रही है। 'पीएम किसान सम्मान निधि' योजना के माध्यम से किसानों को आर्थिक संबल दिया जा रहा है। गरीबी उन्मूलन पर राष्ट्रपति ने कहा कि दशकों से गरीबी से जूझ रहे करोड़ों लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया गया है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि वे दोबारा गरीबी में न लौटें। 'पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना' के तहत लगभग ८१ करोड़ लोगों को खाद्यान्न सुरक्षा दी जा रही है। इसके साथ ही, चार करोड़ से अधिक पक्के घरों का निर्माण कर गरीब परिवारों को सम्मानजनक जीवन का आधार प्रदान किया गया है। अपने संबोधन के अंत में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि ये सभी प्रयास महात्मा गांधी के सर्वोदय के आदर्श को साकार करते हैं और देश को एक सशक्त, समावेशी और विकसित भारत की ओर अग्रसर करते हैं।

बार्शी में दोनों कद्दू...

और पार्टी प्रमुख स्वयं संबंधित विधायकों से बात करेंगे। उन्होंने कहा कि यदि बार्शी में उनकी जरूरत पड़ी तो वे पार्टी प्रमुख से चर्चा कर निर्णय लेंगी, लेकिन बार्शी की युति को शिवसेना (उद्धव गुट) की युति नहीं माना जा सकता। उन्होंने हिंदुहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे की जन्मशताब्दी का उल्लेख करते हुए कहा कि पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने साफ कहा है कि 'जान चली जाए तो भी किसी के गुलाम नहीं बनेंगे।' यही वाक्य उनके लिए मार्गदर्शक है और उसी आधार पर आगे की राजनीति तय की जाएगी। भाजपा में गए नेताओं पर कार्रवाई के सवाल पर सुषमा अंधारे ने कहा कि ऐसे लोगों से बस इतना ही कहना है कि वे जहां हैं, वहीं सुखी रहें। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि प्रत्येक जिले में पार्टी के प्रतिनिधि जिम्मेदारी निभा रहे हैं और यदि कोई अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाता, तो उस पर कार्रवाई की शुरुआत वे स्वयं करेंगी।

गठबंधन पंजीकरण में अड़चन...

इसी वजह से प्रशासन को चुनाव प्रक्रिया रोकनी पड़ी। दरअसल, भाजपा और शिवसेना के बीच यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है कि दोनों दल संयुक्त समूह बनाकर चुनाव लड़ेंगे या अलग-अलग। भाजपा ने महापौर पद पर अपना दावा ठोक दिया है, जबकि शिवसेना महापौर या स्थायी समिति अध्यक्ष पद पर अपना अधिकार जता रही है। दोनों दलों के बीच चल रही आंतरिक बातचीत और पदों के बंटवारे को लेकर मतभेद अब तक सुलझ नहीं पाए हैं। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि जब तक गठबंधन को लेकर अंतिम सहमति नहीं बनती, तब तक समूह पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी होना मुश्किल है। यही वजह है कि बीएमसी में महापौर चुनाव को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक, जैसे ही समूह पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी होगी, नया चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया जाएगा। मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए अब यह संभावना जताई जा रही है कि मुंबई को नया महापौर फरवरी में मिल सकता है। तब तक बीएमसी की राजनीतिक सरगर्मी गठबंधन के फैसले पर टिकी रहेगी।

नागौर में अवैध विस्फोटकों का...

पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर आरोपी के ठिकाने पर दबिश दी। छापेमारी के दौरान पुलिस ने १८७ कट्टों में भरा ९,५५० किलो अमोनियम नाइट्रेट बरामद किया। इसके अलावा मौके से बड़ी मात्रा में अन्य विस्फोटक सामग्री और उपकरण भी जब्त किए गए। जब्त सामग्री में ९ कार्टन डेटोनेटर, १२ कार्टन और १५ बंडल नीली बत्ती वायर, १२ कार्टन और ५ बंडल लाल बत्ती वायर, गुल्ले तथा लकड़ी के कार्टनों में रखे अन्य विस्फोटक उपकरण शामिल हैं। इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी के खिलाफ पहले से तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने विस्फोटक अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी से गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि यह विस्फोटक सामग्री कहां से लाई गई, किस नेटवर्क के जरिए इसका भंडारण किया गया और इसे किन उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जाना था। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस अवैध गतिविधि में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की तह तक जाकर पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गुरु तेग बहादुर साहिब का...

उल्लेख करते हुए महाराष्ट्र की सामाजिक समरसता की विरासत को रेखांकित किया। दिल्ली सरकार के मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि नांदेड की ऐतिहासिक भूमि पर इस भव्य समागम का आयोजन विविध समाजों को एक साथ लाने वाला सिद्ध हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों को साकार करते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरु तेग बहादुर साहिब का इतिहास आम नागरिकों तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। संत ज्ञानी हरनाम सिंह ने कहा कि संत नामदेव ने महाराष्ट्र और पंजाब को जोड़ने का कार्य किया, जिसे आगे चलकर श्री गुरु गोविंद सिंह महाराज ने और सुदृढ़ किया। जब-जब देश पर संकट आया, महाराष्ट्र और पंजाब ने एक साथ शौर्य का परिचय दिया। उन्होंने गुरु तेग बहादुर साहिब के इतिहास को विद्यालयी पाठ्यक्रम में शामिल करने के निर्णय की सराहना की। कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के दर्शन किए और पंच प्यारे का सम्मान किया। कार्यक्रम की प्रस्तावना अखिल भारतीय धर्म जागरण समिति के प्रमुख शरदराव ढोले ने रखी, जबकि आभार प्रदर्शन शहीदी समागम के राज्य समन्वयक रामेश्वर नाईक ने किया।

मेष: आज का दिन आत्मविश्वास और सक्रियता से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके प्रयासों की सराहना हो सकती है और कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। देश, समाज या संगठन से जुड़े कार्यों में भागीदारी का अवसर मिलेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन खर्च सोच-समझकर करें। स्वास्थ्य में ऊर्जा बनी रहेगी, हालांकि हल्की थकान संभव है।

वृषभ: आज स्थिरता और अनुशासन से लाभ मिलेगा। पारिवारिक माहौल सकारात्मक रहेगा और किसी वरिष्ठ व्यक्ति से मार्गदर्शन मिल सकता है। नौकरी या व्यापार में स्थिति संतोषजनक रहेगी। आर्थिक मामलों में बचत पर ध्यान देंगे। स्वास्थ्य में गला, गर्दन या पाचन से जुड़ी सावधानी रखें।

मिथुन: आज संवाद और संपर्क आपके लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। सरकारी, सामाजिक या सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिल सकता है। लेखन, मीडिया या शिक्षा से जुड़े लोगों के लिए दिन सक्रिय है। मानसिक व्यस्तता अधिक रहेगी। नींद और एकाग्रता पर ध्यान दें।

कर्क: आज भावनात्मक संतुलन बनाए रखना जरूरी रहेगा। पारिवारिक जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती हैं। कार्यक्षेत्र में दबाव रहेगा, लेकिन आप स्थितियों को संभाल लेंगे। घरेलू खर्च बढ़ने के संकेत हैं। स्वास्थ्य में तनाव या पेट से जुड़ी समस्या हो सकती है।

सिंह: आज मान-सम्मान और प्रभाव बढ़ेगा। सार्वजनिक जीवन, संगठन या नेतृत्व से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष है। लोग आपकी बातों से प्रभावित होंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कन्या: आज योजना और अनुशासन से काम लेना लाभकारी रहेगा। कागजी, प्रशासनिक या सरकारी कार्यों में सफलता मिल सकती है। रिश्तों में अधिक आलोचना से बचें। आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी। स्वास्थ्य में पेट या त्वचा से जुड़ी समस्या संभव है।

तुला: आज संतुलन और सामंजस्य बनाए रखना आवश्यक है। पारिवारिक और सामाजिक जीवन में तालमेल बनेगा। साझेदारी से जुड़े मामलों में लाभ हो सकता है। आय और खर्च दोनों रहेंगे। स्वास्थ्य में कमर या किडनी से जुड़ी सावधानी रखें।

वृश्चिक: आज गहन सोच और आत्ममंथन का दिन है। किसी महत्वपूर्ण निर्णय पर विचार करेंगे। कार्यक्षेत्र में विरोध या प्रतिस्पर्धा रह सकती है, लेकिन आप स्थिति संभाल लेंगे। अचानक खर्च संभव है। मानसिक तनाव से बचें।

धनु: आज विचारधारा, शिक्षा और विस्तार से जुड़े विषय सामने आएंगे। सामाजिक, शैक्षणिक या वैचारिक कार्यक्रमों में भागीदारी संभव है। आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन खानपान पर ध्यान दें।

मकर: आज जिम्मेदारियाँ बढ़ेंगी और कार्यक्षेत्र में व्यस्तता रहेगी। आपकी मेहनत को पहचान मिलेगी। सरकारी या प्रशासनिक मामलों में प्रगति हो सकती है। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी। स्वास्थ्य में हड्डियों या घुटनों से जुड़ी परेशानी हो सकती है।

कुंभ: आज नई सोच और बदलाव की भावना प्रबल रहेगी। सामाजिक, तकनीकी या सामूहिक गतिविधियों में सक्रियता बढ़ेगी। आप किसी व्यवस्था पर सवाल उठा सकते हैं। रिश्तों में दूरी महसूस हो सकती है। स्वास्थ्य में तनाव या एंग्जायटी से सावधानी रखें।

मीन: आज संवेदनशीलता और करुणा अधिक रहेगी। सेवा, कला या रचनात्मक कार्यों से मन को शांति मिलेगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। आर्थिक मामलों में भावनात्मक खर्च से बचें। स्वास्थ्य में नींद की कमी हो सकती है।

एल.आई.सी

भारतीय जीवन बीमा से संबंधित किसी भी जानकारी या समस्या समाधान हेतु संपर्क करें।

-भारत सिंह

मो.9967255741

महत्वपूर्ण सूचना

विज्ञापन प्रति के स्वीकृति पूर्व एहतियातन बरती जाने के बावजूद, उसमें अंतर्भूत बाते जांचना संभव नहीं है। ऐसी अंतर्भूत बातों के लिए दैनिक **स्वर्णिम प्रदेश** के अंतर्गत समाचार पत्र या प्रकाशनों में आनेवाली कंपनियां, संस्थाए या व्यक्तिगत विज्ञापनों के साथ हुए किसी भी प्रकार के व्यवहार के लिए समाचार पत्र जिम्मेदार नहीं है।

गणतंत्र दिवस: अधिकारों के उत्सव के साथ कर्तव्यों के निर्वहन का भी पर्व

प्रवीण कक्कड़

२६ जनवरी केवल राष्ट्रीय पर्व नहीं है। यह आत्म-मंथन का अवसर है, यह सोचने का कि एक नागरिक के रूप में हम अपने अधिकारों के प्रति जितने सजग हैं, क्या अपने कर्तव्यों के प्रति भी उतने ही उत्तरदायी हैं। इसी दिन भारत ने स्वयं को एक गणतांत्रिक राष्ट्र के रूप में स्थापित किया था। हमारे संविधान ने हमें केवल गणतंत्र नहीं दिया, बल्कि एक सशक्त, समावेशी और उत्तरदायी राष्ट्र के निर्माण की साझा जिम्मेदारी भी सौंपी। आज जब भारत एक आधुनिक, आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब यह जिम्मेदारी सबसे अधिक युवाओं के कंधों पर आ टिकती है। देश का वर्तमान भले ही अनुभव और परंपरा से संचालित हो, लेकिन उसका भविष्य युवाओं की सोच, उनके आचरण और उनके मूल्यों से ही आकार लेगा। गणतंत्र की मजबूती का असली पैमाना यही है कि उसका युवा वर्ग अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों को कितनी गंभीरता से स्वीकार करता है।

कर्तव्य की पाठशाला: समाज की सामूहिक जिम्मेदारी

कर्तव्यों की समझ केवल पाठ्यपुस्तकों से नहीं आती। इसके लिए परिवार, समाज और संस्थाओं की साझा भूमिका आवश्यक है। युवाओं को यह बोध कराना होगा कि राष्ट्रप्रेम केवल नारों, प्रतीकों या सोशल मीडिया की अभिव्यक्तियों तक सीमित नहीं है। वह हमारे दैनिक आचरण में दिखाई देता है, अनुशासन में, ईमानदारी में और सामाजिक संवेदनशीलता में। जब कोई युवा यातायात नियमों का पालन करता है, सार्वजनिक संपत्ति को अपनी संपत्ति की तरह सुरक्षित रखता है, पर्यावरण के प्रति सजग रहता है या समाज के वंचित वर्ग के लिए आगे आता है, तो वह प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से गणतंत्र की नींव को मजबूत करता है। यही छोटे-छोटे आचरण लोकतंत्र को व्यवहारिक रूप से जीवंत बनाते हैं।

अधिकार, कर्तव्य और रोजगार: परस्पर पूरक संबंध

समकालीन भारत में युवाओं के सामने सबसे बड़ा प्रश्न रोजगार का है। इस संदर्भ में अधिकार और कर्तव्य को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता। वास्तव में, कर्तव्य और रोजगार परस्पर पूरक हैं। यदि युवा शिक्षा, कौशल विकास और आत्म-अनुशासन को अपना प्राथमिक कर्तव्य मान लें, तो वे केवल रोजगार की प्रतीक्षा करने वाले नहीं रहेंगे, बल्कि नए अवसर सृजित करने वाले बन सकते हैं। एक जिम्मेदार नागरिक ही एक कुशल पेशेवर बनता है। जब कोई युवा अपने कार्य को ईमानदारी और निष्ठा से करता है,चाहे वह छात्र हो, कर्मचारी हो, उद्यमी हो या किसान, तो वही उसका राष्ट्र के प्रति सबसे सार्थक योगदान होता है। राष्ट्र निर्माण केवल नीतियों या घोषणाओं से नहीं, बल्कि कार्यस्थलों पर निभाई गई जिम्मेदारियों से होता है।

डिजिटल युग और चुनौती

आज का युग सूचनाओं की तीव्रता का युग है। डिजिटल माध्यमों ने अभिव्यक्ति के नए अवसर दिए हैं, लेकिन इसके साथ ही भ्रम की चुनौतियाँ भी खड़ी की हैं। सोशल मीडिया पर क्षणिक लोकप्रियता और बिना जिम्मेदारी की

अभिव्यक्ति कई बार युवा ऊर्जा को गलत दिशा में मोड़ देती है। संविधान हमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है, किंतु यह स्वतंत्रता उत्तरदायित्व से अलग नहीं है। युवाओं को यह समझना होगा कि उनके अधिकार वहीं समाप्त होते हैं, जहाँ से दूसरों के अधिकार प्रभावित होने लगते हैं। असहमति लोकतंत्र की ताकत हो सकती है, पर अराजकता उसकी जड़ों को कमजोर करती है। आज आवश्यकता ऐसे युवाओं की है, जो डिजिटल मंचों पर प्रतिक्रिया देने से पहले संवैधानिक मर्यादाओं और सामाजिक प्रभावों पर विचार करें।

राष्ट्र निर्माण: हर युवा की भूमिका

राष्ट्र निर्माण केवल राजनीति या शासन की परिधि तक सीमित नहीं है। एक शिक्षक जो ईमानदारी से पढ़ाता है, एक डॉक्टर जो सेवा को सर्वोपरि रखता है, एक किसान जो कठिन परिस्थितियों में भी उत्पादन करता है, या एक युवा जो नवाचार के माध्यम से रोजगार के नए अवसर पैदा करता है वे सभी राष्ट्र निर्माता हैं। यदि युवा यह संकल्प ले कि वह शॉर्टकट, असहिष्णुता और गैर-जिम्मेदार आचरण से दूरी बनाएगा, तो वही संकल्प भारत के भविष्य की सबसे ठोस आधारशिला बनेगा। इस गणतंत्र दिवस पर आवश्यक है कि हम अधिकारों के उत्सव के साथ-साथ कर्तव्यों के निर्वहन को भी अपना गौरव बनाएं। जब युवा अपने व्यक्तिगत सपनों को राष्ट्र के दीर्घकालिक संकल्पों से जोड़ देगा, तब भारत के विकास पथ को कोई बाधा नहीं रोक पाएगी क्योंकि एक सशक्त गणतंत्र वही है, जहाँ युवा केवल प्रश्न नहीं पूछते, बल्कि समाधान की जिम्मेदारी भी उठाते हैं।

प्रथम गणतंत्र दिवस की रोचक बातें

अतिवीर जैन 'पराग'

गणतंत्र दिवस की पहली परेड २६ जनवरी १९५० को दिल्ली में इरवीन एमफीथियेटर स्टेडियम से राष्ट्रपति भवन तक निकाली गई थी। इस स्टेडियम को वर्तमान में मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम कहा जाता है। इस परेड में तत्कालीन इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो मुख्य अतिथि थे और डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद ने इस दिन राष्ट्रीय ध्वज फराया था। डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद को राष्ट्रपति बनाने के लिए २४ जनवरी १९५० को संविधान सभा के विशेष सत्र का आयोजन किया गया था। उन्हें सर्वसम्मति से भारतीय गणराज्य का राष्ट्रपति चुना गया था। डॉ. राजेंद्र प्रसाद घोड़ा गाड़ी में राष्ट्रपति भवन से इरविन एमफीथियेटर स्टेडियम तक आए थे। इन्होंने पहले राष्ट्रपति पद की शपथ ली उसके बाद राष्ट्रीय ध्वज फहराया। राष्ट्रपति को २१ तोपों की सलामी दी गई थी। ३००० सैनिकों ने परेड में भाग लिया, जिसका नेतृत्व राष्ट्रपति ने स्वयं घोड़ा गाड़ी में किया था। वायु सेना के विमानों ने भी आसमान में अपने करतब दिखाए थे। सन १९५० से १९५४ तक गणतंत्र दिवस का समारोह किंग्सवे कैंप जिसे आज राजपथ या कर्तव्य पथ कहा जाता है, लाल किला मैदान, और रामलीला मैदान में बनाए जाते रहे। सन १९५५ से यह स्थाई रूप से राजपथ जिसे अब कर्तव्य पथ कहते हैं, पर मनाया जाता है। २६ नवंबर १९४९ को संविधान पूर्ण हो गया था और संविधान सभा में पास हो गया था।

जिसको २६ जनवरी १९५० से लागू किया गया, और भारत एक संपूर्ण गणतंत्र हो गया और यह संविधान भारत पर लागू हो गया। सन २०१५ से २६ नवंबर को प्रतिवर्ष संविधान दिवस के रूप में मनाया जाने लगा है। संविधान को प्रेम बिहारी नारायण रायजादा ने अपने हाथ से लिखा था और इसकी कोई फीस नहीं ली थी पर एक शर्त रखी थी जिसके अनुसार संविधान के हर पन्ने पर उनका नाम लिखा हुआ है और आखिरी पन्ने पर उनके दादाजी के नाम के साथ उनका नाम लिखा हुआ है। संविधान की यह मूल पांडुलिपि आज भी संसद भवन में सुरक्षित है।

पुणे में नायलॉन मांझे का कहर जारी, फ्लाईओवर पर बाइक सवार गंभीर रूप से घायल

संवाददाता

पुणे। मकर संक्रांति के बाद भी नायलॉन मांझे से जुड़े हादसों का सिलसिला पुणे में जारी है। स्वारगेट क्षेत्र से सामने आए एक और गंभीर मामले ने प्रतिबंधित पतंग के धागे से होने वाले जानलेवा खतरों को उजागर कर दिया है। बार-बार चेतावनी, जागरूकता अभियानों और पिछले हादसों के बावजूद नायलॉन मांझा व्यस्त सड़कों और फ्लाईओवर पर लोगों की सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है। ताजा घटना में धनकवाड़ी के रहने वाले ३० वर्षीय संकेत बोथरा देशभक्त लेट केशवराव जेधे फ्लाईओवर से शाम करीब छह बजे मोटरसाइकिल से गुजर रहे थे। इसी दौरान अचानक नायलॉन मांझा उनके गले और दाहिने हाथ में लिपट गया। खुद को छुड़ाने की कोशिश में वह धागा पास से गुजर रहे एक तेज रफ्तार वाहन में भी फंस गया, जिससे मांझा और कस गया और कुछ ही सेकंड में उनके हाथ को गंभीर नुकसान पहुंचा।

तेज और धारदार नायलॉन धागे से संकेत बोथरा के दाहिने अंगूठे में गहरा कट लग गया। उनके अंगूठे का आधे से अधिक हिस्सा कट गया और उंगलियों की नसों को भी गंभीर क्षति पहुंची। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने हाथ को बचाने के लिए आपातकालीन सर्जरी की। अस्पताल प्रशासन के अनुसार उनकी हालत फिलहाल स्थिर है, लेकिन चोटें गंभीर हैं और लंबे इलाज की आवश्यकता पड़ सकती है। इस घटना के बाद स्थानीय नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं में भारी नाराजगी है। लोगों का कहना है कि स्पष्ट प्रतिबंध के बावजूद पुणे में नायलॉन मांझा खुलेआम बेचा और इस्तेमाल किया जा रहा है, जो प्रशासन की विफलता को दर्शाता है। कुछ दिन पहले भारती विद्यापीठ इलाके में भी इसी तरह की घटना में एक युवती गंभीर रूप से घायल हो चुकी है।

सामाजिक कार्यकर्ता अभिजीत टेंबेकर ने प्रशासन की आलोचना करते हुए कहा कि पतंग उड़ाने जैसी मनोरंजक गतिविधि अब जानलेवा बनती जा रही है। नायलॉन या चीनी मांझा इंसानों के साथ-साथ जानवरों और पक्षियों के लिए भी बेहद खतरनाक है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा इस पर प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद इसके अवैध इस्तेमाल पर प्रभावी रोक नहीं लग पा रही है। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर कब प्रशासन सख्ती से कार्रवाई कर इस खतरनाक मांझे की बिक्री और उपयोग पर पूरी तरह रोक लगाएगा, ताकि आम नागरिकों की जान सुरक्षित रह सके।

कुर्ला में घरेलू नौकरानी से मारपीट और अवैध कैद करने का आरोप, झूठी रेप शिकायत दर्ज कराने का दबाव

संवाददाता

मुंबई। कुर्ला के कोहिनूर सिटी इलाके में एक १९ वर्षीय घरेलू नौकरानी के साथ कथित रूप से शारीरिक उत्पीड़न, अवैध कैद और मानसिक प्रताड़ना का मामला सामने आया है। पीड़िता पश्चिम बंगाल की रहने वाली है और बीते दो महीनों से कोहिनूर सिटी में रहने वाले एक व्यवसायी के घर में घरेलू कामकाज के साथ-साथ छोटे बच्चे की देखभाल का काम कर रही थी। पीड़िता की शिकायत के अनुसार, २१ जनवरी को दोपहर करीब दो बजे मालिक की पत्नी ने बच्चों को कैंडी देने की बात पर उसे बेरहमी से पीटा। मारपीट से आहत लड़की जब इसकी शिकायत दर्ज कराने के लिए पुलिस स्टेशन जाने लगी, तो मालिक और उसकी पत्नी ने कथित तौर पर उसे रोक लिया और लगभग एक घंटे तक एक कमरे में बंद कर दिया। आरोपी यहीं नहीं रुके। पीड़िता के मुताबिक २३ जनवरी की शाम करीब चार बजे पति-पत्नी ने एक बार फिर उसके साथ मारपीट की और गाली-गलौज की। इसके बाद उस पर अपने पुराने ड्राइवर के खिलाफ झूठी पुलिस शिकायत दर्ज कराने का दबाव डाला गया। बताया गया कि उक्त ड्राइवर, जिसने पहले नौकरी छोड़ दी थी, उसके खिलाफ लड़की से यह बयान दिलवाने की कोशिश की गई कि उसने उसके साथ बलात्कार किया और घर से ९ लाख रुपये चुरा लिए। पीड़िता का आरोप है कि उसे बार-बार वही झूठा बयान दोहराने के लिए मजबूर किया गया। २४ जनवरी की तड़के करीब तीन बजे आरोपी उसे पुलिस स्टेशन लेकर पहुंचे, लेकिन वहां लड़की ने साहस दिखाते हुए पुलिस को पूरी सच्चाई बता दी। उसने स्पष्ट कहा कि ड्राइवर ने उसके साथ किसी भी तरह का यौन उत्पीड़न नहीं किया और यह पूरी कहानी उसके मालिकों द्वारा गढ़ी गई थी। उसने यह भी बताया कि उसी पर मारपीट की गई और झूठी शिकायत दर्ज कराने का दबाव बनाया गया। पीड़िता के बयान के आधार पर विनोबा भावे नगर पुलिस ने आरोपी पति-पत्नी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा ११५(२) (जानबूझकर चोट पहुँचाना), १२७(२) (गलत तरीके से कैद करना) और ३५२ (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस सब-इंस्पेक्टर अभिजीत तानाजी नेवसे ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है और पीड़िता को आवश्यक सुरक्षा और सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। यह मामला घरेलू कामगारों की सुरक्षा और उनके अधिकारों को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े करता है।

आदिवासी तरपा कला को वैश्विक पहचान दिलाने वाले भिकल्या ढिंडा को मिलेगा पद्म श्री

संवाददाता

पालघर। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर केंद्र सरकार ने वर्ष २०२६ के पद्म पुरस्कारों की घोषणा की है। इस सूची में महाराष्ट्र से चार प्रतिष्ठित हस्तियों को शामिल किया गया है। इनमें पालघर जिले के जव्हार तालुका के दूरदराज आदिवासी गांव वालवंडा के रहने वाले प्रसिद्ध तारपा वादक भिकल्या लाडक्या ढिंडा को पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई है। यह सम्मान आदिवासी कला, संस्कृति और लोकसंगीत के संरक्षण व प्रसार में उनके आजीवन योगदान की राष्ट्रीय स्वीकृति है। पद्म पुरस्कार की घोषणा के बाद भिकल्या ढिंडा के परिवार और पूरे आदिवासी समुदाय में खुशी और गर्व का माहौल है। ईटीवी भारत से बातचीत में भिकल्या ढिंडा ने कहा कि उन्होंने जीवन भर आदिवासी संस्कृति को सहेजने और आगे बढ़ाने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि उनका परिवार आर्थिक रूप से भले ही साधारण रहा हो, लेकिन संस्कृति ने उन्हें पहचान दी और यही उनकी सबसे बड़ी संपत्ति है। भिकल्या लाडक्या ढिंडा पिछले ८० वर्षों से अधिक समय से पारंपरिक आदिवासी वाद्य यंत्र 'तारपा' के वादन से जुड़े हुए हैं। तारपा केवल एक वाद्य यंत्र नहीं, बल्कि महाराष्ट्र की आदिवासी विरासत, सामाजिक जीवन और सामूहिक सांस्कृतिक चेतना का अभिन्न हिस्सा है। ढिंडा ने इस लोक कला को गांवों और जंगलों की सीमाओं से बाहर निकालकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाया, जिससे आदिवासी संस्कृति को व्यापक पहचान मिली। भिकल्या ढिंडा ऐसे परिवार में जन्मे हैं, जहां लगभग १५० वर्षों से तारपा वादन की परंपरा चली आ रही है। उनके दादा नवसु धकलिया ढिंडा और पिता लाडकिया धकलिया ढिंडा अपने समय के जाने-माने तारपा वादक थे। इसी समृद्ध सांस्कृतिक वातावरण में पले-बढ़े भिकल्या का बचपन से ही तारपा से गहरा नाता जुड़ गया।

औपचारिक शिक्षा न होने के बावजूद उन्होंने मात्र १२ वर्ष की उम्र में इस कला को अपने जीवन का उद्देश्य बना लिया। आज ९२ वर्ष की आयु में भी उनका उत्साह, साधना और समर्पण पहले जैसा ही है। वे आज भी तारपा को केवल संगीत का माध्यम नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक और दिव्य शक्ति मानते हैं। लोक कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें वर्षों में सैकड़ों पुरस्कार और सम्मान मिल चुके हैं, लेकिन पद्म श्री पुरस्कार की घोषणा ने न केवल उनके जीवन की साधना को नई ऊंचाई दी है, बल्कि पूरे आदिवासी समाज को गौरवान्वित किया है। सम्मान की घोषणा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भिकल्या लाडक्या ढिंडा ने कहा कि तारपा उनके लिए जीवन का आधार और संस्कृति की आत्मा है। उन्होंने युवा पीढ़ी से अपील की कि वे इस समृद्ध आदिवासी परंपरा को सहेजें और आगे बढ़ाएं, ताकि आने वाली पीढ़ियां अपनी जड़ों से जुड़ी रह सकें। भिकल्या लाडक्या ढिंडा को मिला पद्म श्री सम्मान न केवल एक कलाकार की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक आत्मा को जीवित रखने वाली आदिवासी कला, संगीत और परंपराओं की भी राष्ट्रीय स्तर पर सशक्त मान्यता है।

ड्यूटी पर शराब पीने वालों पर सख्ती: एमएसआरटीसी कर्मचारियों को तत्काल सस्पेंड करने के आदेश

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री और महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन महामंडल (एमएसआरटीसी) के अध्यक्ष प्रताप सरनाईक ने ड्यूटी के दौरान शराब पीने वाले ड्राइवरों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। रविवार को मुंबई के परेल बस डिपो के औचक निरीक्षण के दौरान उन्होंने ऐसे कर्मचारियों को तुरंत सस्पेंड करने और जांच के बाद नौकरी से बर्खास्त करने के निर्देश दिए। मंत्री ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि इस तरह के मामलों में किसी भी प्रकार की नरमी नहीं बरती जाएगी। औचक निरीक्षण के दौरान सरनाईक ने ड्राइवरों और कंडक्टरों के लिए बने रेस्ट रूम का दौरा किया, जहां कई स्थानों पर शराब की खाली बोतलें मिलीं। कुछ कर्मचारियों से शराब की गंध आने पर नशे में ड्यूटी करने का संदेह भी जताया गया।

इस पर नाराजगी जाहिर करते हुए मंत्री ने मौके पर मौजूद वरिष्ठ अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और कहा कि ऐसी अनुशासनहीनता अधिकारियों की लापरवाही को दर्शाती है। प्रताप सरनाईक ने कहा कि सरकार बाहर ड्यूटी पर जाने वाले कर्मचारियों के लिए रेस्ट हाउस और अन्य सुविधाओं को बेहतर बनाने पर लगातार निवेश कर रही है। इसके बावजूद यदि इन सुविधाओं का दुरुपयोग शराब पीने जैसी हरकतों के लिए किया जा रहा है, तो यह न केवल अनुशासनहीनता है बल्कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा भी है। उन्होंने कहा कि नशे की हालत में वाहन चलाने वाला कर्मचारी सिर्फ दुर्घटनाओं को ही नहीं बुलाता, बल्कि एमएसआरटीसी की सुरक्षा और विश्वसनीयता को भी कमजोर करता है। मंत्री ने एमएसआरटीसी के सुरक्षा और सतर्कता विभागों की भूमिका पर भी सवाल उठाए और कहा कि संबंधित अधिकारियों की लापरवाही के कारण ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश देते हुए सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही सरनाईक ने ड्यूटी पर आने वाले सभी कर्मचारियों, विशेषकर ड्राइवरों के लिए ब्रेथ-एनालाइजर टेस्ट अनिवार्य कर दिया। टेस्ट में पॉजिटिव पाए जाने वाले किसी भी कर्मचारी को तुरंत सस्पेंड किया जाएगा। शनिवार के निरीक्षण में सामने आई अनियमितताओं की जांच के लिए एक अलग विभागीय जांच समिति गठित करने के भी आदेश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने डिपो की साफ-सफाई, शौचालय सुविधाओं और बस संचालन व्यवस्था की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश देते हुए कहा कि एमएसआरटीसी में अनुशासन और सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

महाराष्ट्र के तूर उत्पादक किसानों को बड़ी राहत: केंद्र ने 3.37 लाख मीट्रिक टन तूर खरीद को दी मंजूरी

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के तूर उत्पादक किसानों के हित में केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए राज्य से ३.३७ लाख मीट्रिक टन तूर की खरीद को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह स्वीकृति उच्चस्तरीय बैठक में प्रदान की। यह खरीद 'मूल्य समर्थन योजना' (पीएसएस) के तहत की जाएगी, जिस पर लगभग २,६९६ करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस निर्णय से राज्य के लाखों तूर किसानों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। बैठक में महाराष्ट्र के विपणन मंत्री जयकुमार रावल सहित केंद्रीय कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार किसानों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि तूर खरीद से केंद्र सरकार पर भले ही बड़ा वित्तीय बोझ पड़े, लेकिन किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

यह खरीद प्रक्रिया नेफेड (NAFED) और एनसीसीएफ (NCCF) के माध्यम से राज्य सरकार के समन्वय से की जाएगी। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक तकनीक के उपयोग, किसानों की आसान पंजीकरण प्रक्रिया और बिचौलियों की भूमिका पूरी तरह खत्म करने के निर्देश भी दिए गए हैं। जरूरत के अनुसार खरीद केंद्रों की संख्या बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है, ताकि सीधे किसानों से खरीद सुनिश्चित हो सके और लाभ वास्तविक उत्पादकों तक पहुंचे।

कांदिवली में सामूहिक यौन शोषण और डिजिटल ब्लैकमेलिंग का सनसनीखेज मामला गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज

इन्द्र यादव

मुंबई। मुंबई के समता नगर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। पुलिस ने इस प्रकरण में एफआईआर क्रमांक ००८७/२०२६ दर्ज करते हुए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (आईटी एक्ट) की कई बेहद गंभीर धाराएं लगाई हैं, जो अपराध की भयावहता और संवेदनशीलता को दर्शाती हैं। पुलिस दस्तावेजों के अनुसार, यह घटना २३ अगस्त २०२५ से २८ अगस्त २०२५ के बीच घटित हुई। हालांकि पीड़िता की ओर से आधिकारिक शिकायत २५ जनवरी २०२६ को रात ०१:१२ बजे दर्ज कराई गई, जिसके आधार पर पुलिस ने तत्काल मामला पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी।

पीड़ित पक्ष ने पुलिस को मौखिक रूप से पूरी आपबीती बताई, जिसके बाद कानून का शिकंजा आरोपियों पर कसा गया है। इस मामले में पुलिस ने कुल १० गंभीर धाराएं लगाई हैं। बीएनएस की धारा ६४(२)(i) और ६४(२)(म) के तहत आरोप है कि भरोसे या नियंत्रण की स्थिति का दुरुपयोग करते हुए पीड़िता के साथ बार-बार बलात्कार किया गया। वहीं, धारा १२३ के तहत नशीले या बेहोश करने वाले पदार्थ का इस्तेमाल कर अपराध को अंजाम देने का आरोप भी शामिल है। इसके अलावा, महिला की शालीनता और मानसिक सुरक्षा से जुड़े अपराधों को देखते हुए धारा ७४ (लज्जा भंग), धारा ७७ (पीछा करना/डराना) और धारा ३५१(३) (गंभीर आपराधिक धमकी) भी एफआईआर में जोड़ी गई हैं। मामले की गंभीरता को और बढ़ाते हुए सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा ६६(ई), ६७ और ६७(ए) भी लगाई गई हैं, जो पीड़िता की निजता के उल्लंघन, आपत्तिजनक फोटो-वीडियो के प्रसार और डिजिटल ब्लैकमेलिंग की ओर इशारा करती हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, हालांकि अभी तक आरोपियों के नाम सार्वजनिक नहीं किए गए हैं, लेकिन कई संदिग्ध पुलिस के रडार पर हैं और उनसे पूछताछ की जा रही है। एफआईआर में बीएनएस की धारा ६१(२) (आपराधिक साजिश) का शामिल होना इस बात का संकेत है कि इस जघन्य अपराध में एक से अधिक लोग शामिल हो सकते हैं और यह पूरी तरह से योजनाबद्ध साजिश का हिस्सा था। जांच अधिकारी ने बताया कि मामले में तकनीकी साक्ष्य, विशेषकर डिजिटल एविडेंस, एकत्र किए जा रहे हैं।

मोबाइल फोन, सोशल मीडिया गतिविधियों और अन्य इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। अधिकारी ने कहा कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। यह मामला सामने आने के बाद पूरे इलाके में आक्रोश और भय का माहौल है। स्थानीय लोग और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दी जाए, ताकि ऐसे अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

मराठी भाषा केवल संवाद नहीं, हजारों वर्षों की जीवंत सांस्कृतिक परंपरा: डॉ.किरण कुलकर्णी

अभिजात दर्जे से शोध, अनुवाद और रोजगार के खुलेंगे नए अवसर

संवाददाता

मुंबई। मराठी भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से निरंतर बहती एक सांस्कृतिक नदी है। यह विचार मराठी भाषा एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के सचिव डॉ. किरण कुलकर्णी ने व्यक्त किए। वे रविवार को महाराष्ट्र शासन के सांस्कृतिक कार्य विभाग की ओर से पु. ल. देशपांडे महाराष्ट्र कला अकादमी द्वारा आयोजित 'व्याख्यानमाला' कार्यक्रम में बोल रहे थे। डॉ. कुलकर्णी ने मराठी को प्राप्त अभिजात भाषा के दर्जे के महत्व, उसके ऐतिहासिक विकास और भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्य विभाग की उपसचिव नंदा राऊत, पु. ल. देशपांडे महाराष्ट्र कला अकादमी की संचालक मीनल जोगळेकर, सलाहकार समिति के सदस्य डॉ. शिरीष ठाकूर, मराठी भाषा के विद्वान और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि मराठी को अभिजात भाषा का दर्जा मिलना केवल औपचारिक सम्मान नहीं है, बल्कि इससे केंद्र सरकार की विशेष योजनाओं के माध्यम से भाषा के विकास, शोध और संरक्षण के लिए नई संभावनाएं सृजित होंगी।

महाराष्ट्री प्राकृत, अपभ्रंश और आधुनिक मराठी के भाषाई प्रवास का उल्लेख करते हुए उन्होंने वररुचि के 'प्राकृतप्रकाश' ग्रंथ का संदर्भ दिया और मराठी की प्राचीनता के प्रमाण प्रस्तुत किए। ज्ञानेश्वरी, लीळाचरित्र, संत साहित्य और १९वीं सदी की आधुनिक मराठी परंपरा का उल्लेख करते हुए उन्होंने मराठी की सृजनशीलता और मौलिकता को रेखांकित किया। डॉ. कुलकर्णी ने यह भी कहा कि ज्ञानेश्वर-पूर्व लगभग डेढ़ हजार वर्षों की भाषिक और लिखित परंपरा पर अपेक्षित शोध अब तक कम हुआ है, जिस पर आगे गंभीर कार्य करने की आवश्यकता है। अभिजात भाषा योजना के अंतर्गत महाराष्ट्र में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' स्थापित करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है और इसकी अधिसूचना फरवरी–मार्च तक जारी होने की संभावना है। उन्होंने अमरावती में आयोजित ११ अभिजात भाषाओं की परिषद का उल्लेख करते हुए बताया कि 'भाषिणी' ऐप के माध्यम से मराठी भाषण का अन्य भाषाओं में तत्काल अनुवाद कर तकनीक के जरिए भाषाई संवाद का नया मार्ग प्रशस्त किया गया है। मराठी के संवर्धन, शोध, अनुवाद और रोजगार सृजन के क्षेत्र में अगले एक वर्ष में ठोस लक्ष्य पूरे करने का संकल्प व्यक्त करते हुए उन्होंने समाज के सभी वर्गों से मराठी के भविष्य के निर्माण में सक्रिय सहभाग की अपील की।

Congress in tatters under Rahul Gandhi's leadership...

BJP shares Shakeel Ahmed's video, questions Leader of Opposition

New Delhi. Senior Congress leader Shakeel Ahmed's statement regarding Rahul Gandhi and the party's internal democracy has sparked political turmoil. The BJP has targeted both Congress and Rahul Gandhi through Shakeel Ahmed's statement. The BJP has accused Rahul Gandhi of sidelining leaders who speak out within the party. Furthermore, the BJP says that Rahul Gandhi, who speaks of democracy, does not believe in democracy within his own party. The BJP said that Rahul Gandhi has turned the Congress into a parasitic party in national politics. Congress leaders are now admitting this.

Those who speak of party interests are sidelined

Regarding the statement of former Congress leader Dr. Shakeel Ahmed, BJP leader Shahzad Poonawala said that Shakeel Ahmed, a very senior leader and former minister, says that Rahul Gandhi is the most cowardly and foolish person. According to Shakeel Ahmed, Rahul Gandhi doesn't like anyone who doesn't treat him like a boss. That's why he sidelined many senior leaders who worked with Sonia Gandhi. Poonawala said that Rahul Gandhi sidelines anyone who speaks of national interest or the party's interests—whether it's Shakeel Ahmed, Tariq Anwar, senior Congress leader Digvijay Singh, or Kumari Selja. The BJP spokesperson said that all of them are saying that they lost not because of vote rigging, but because of internal weaknesses. But Rahul Gandhi is repeatedly blaming the Election Commission to protect himself.

No one takes Rahul seriously

Meanwhile, BJP national spokesperson Pradeep Bhandari, in a post on the social media platform X, said that no one in the Congress takes Rahul Gandhi seriously ! Bhandari shared a video clip of Shakeel Ahmed on X, saying that no Congress leader takes Rahul Gandhi seriously. Former Congress MP Shakeel Ahmed admits that the Congress party is collapsing under Rahul Gandhi's leadership. In the near future, Congress will cease to be even a third party in national politics. Meanwhile, Congress leader Shashi Tharoor declined to comment on Shakeel Ahmed's statement.

Another FTA between India and EU 'Mother of All Deals'

New Delhi. European Commission President Ursula von der Leyen arrived in Delhi on Saturday for a four-day visit to India, aiming to expand bilateral relations and finalize several key initiatives. Prime Minister Narendra Modi will hold summit talks with Costa and von der Leyen on January 27th. The meeting comes amid global concerns over the economic and security policies of US President Donald Trump's administration. European Council President Antonio Costa will arrive in the national capital on Sunday. Both top European leaders will attend the Republic Day celebrations on January 26th as chief guests. During the summit, India and the European Union are likely to announce the conclusion of a much-anticipated Free Trade Agreement (FTA).

Major tension brewing for India from Bangladesh!

After China, now the US is also making this special move

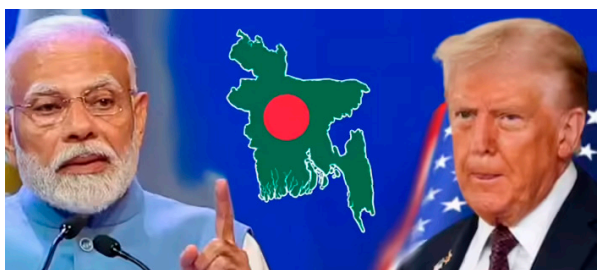

New Delhi: General elections in Bangladesh are just a month away. Meanwhile, there are reports that the US is trying to build a friendly relationship with the Jamaat-e-Islami party in Bangladesh before next month's elections. This news could further strain US relations with India. Former Bangladesh Prime Minister Sheikh Hasina has been living in exile since being ousted from power in 2024 amid massive protests. Significantly, before the US, there have been reports of China and Pakistan also developing close ties with the Jamaat. Thus, tensions are brewing for India from neighboring countries one after another.

America Growing Closer to the Jamaat

The Washington Post reported that American diplomats are seeking to expand their interactions with the once-banned radical group. The report cites an audio recording of a meeting on December 1st. An American diplomat in Dhaka, in a closed-door meeting with some Bangladeshi journalists, said that the country had become 'Islamized' and predicted that Jamaat-e-Islami would perform 'better than ever' in the February 12 elections. The Washington Post has withheld the diplomat's identity. The official was quoted as saying, 'We want them to be our friends.' The report said he could be heard urging journalists to give more airtime to the party's influential student wing. Regarding fears that Jamaat-e-Islami could lead Bangladesh toward stricter Islamic law, the American diplomat reportedly said that Washington has the power to exert pressure, including imposing 100 percent tariffs on them.

China and Pakistan are also making moves.

China and Pakistan continue to lean toward Jamaat-e-Islami, raising several questions in regional politics. Both China and Pakistan are aware that the BNP could emerge as the largest party in the elections, while the Jamaat-e-Islami would finish second and play the role of the opposition. Despite this, both countries maintain regular contact and dialogue with the Jamaat.

According to foreign affairs experts, China and Pakistan view the Jamaat as an important balancing force against India's influence. Pakistani officials are in contact with Jamaat leaders at various levels. China's ambassador to Bangladesh, Yao Wen, met with Jamaat-e-Islami's Amir Shafiqur Rahman.

Why is the closeness to the Jamaat a concern for India?

Opinion polls indicate that the BNP will come to power in Bangladesh. Consequently, even if it does not come to power, the Jamaat will remain politically and socially relevant. The Jamaat has been banned several times in Bangladesh's history. Despite this, the party maintains a strong cadre, extensive organizational structure, and influence in many institutions. The Jamaat-e-Islami's close ties to Pakistan are well known.

7 Years in Prison, No Evidence of Dowry Death Supreme Court Corrects Lower Court's Mistake

New Delhi. The Supreme Court has rectified a lower court's mistake in sentencing a man named Karan Singh to 7 years in prison for dowry murder under Sections 304-B (dowry death) and 498-A of the IPC, 1860, without any evidence. A fine of 500 was also imposed, and an additional three months' imprisonment was imposed if the fine was not paid.

Furthermore, the High Court later upheld the conviction, leaving him no option but to approach the Supreme Court to challenge the lower court's conviction of 24.01.2002 and the High Court's decision of 09.11.2010.

The Supreme Court, in setting aside the appellant's conviction under Sections 304-B (dowry death) and 498-A of the Indian Penal Code, 1860 (IPC), examined the evidence on record and the manner in which the lower courts applied the law in convicting the accused.

The Court found that the lower courts had repeatedly committed errors in applying the essential elements of these crimes without carefully and thoroughly examining the evidence required by law.

What is the whole case?

Appellant Karan Singh was married to Asha Rani on June 25, 1996. Within seven years of their marriage, Asha Rani was found dead at her in-laws' home on April 2, 1998. The post-mortem report stated the cause of death as asphyxia due to hanging, indicating suicide.

After her death, the appellant and her parents were charged with offenses under Sections 304-B (dowry death) and 498-A (cruelty) of the Indian Penal Code.

During the trial, the prosecution relied primarily on the statements of the deceased's mother (Complainant-6), brother (Complainant-7), and maternal uncle (Complainant-8) to prove and sustain the charges of dowry murder and cruelty.

Parents Acquitted

While the parents were acquitted by the Sessions Court, Karan Singh was convicted of the crimes. He was sentenced to seven years' rigorous imprisonment for dowry murder and one year's rigorous imprisonment for cruelty, along with a fine of 500 and three months' imprisonment in default of payment of the fine. This sentence was later upheld by the High Court.

Dissatisfied with the lower and High Court decisions, Karan Singh approached the Supreme Court

Dissatisfied with the lower court and High Court decisions, Karan Singh approached the Supreme Court, arguing that the allegations made by the prosecution witnesses regarding dowry demands were material omissions. He further argued that there was no evidence to suggest that the deceased was subjected to cruelty immediately before her death. Citing the case of Charan Singh alias Charanjeet Singh v. State of Uttarakhand (2023 SCC OnLine SC 454), he argued that mere allegations of dowry demands, without evidence of cruelty immediately before death, are insufficient for conviction under Section 304-B of the Indian Penal Code.

What the Supreme Court Said

A bench of Justices Abhay S. Oka and Ujjwal Bhuyan expressed serious concern that despite numerous authoritative decisions and repeated clarifications by the Supreme Court on the scope and application of Section 304-B of the Indian Penal Code, lower courts continue to apply these provisions mechanically.

'आदिवासी हे आपल्या धर्माचे मूळ आहेत,' मोहन भागवत म्हणाले. 'इतरांच्या पूजा पद्धतींचाही आदर करा

रांची. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघाचे (आरएसएस) प्रमुख डॉ. मोहन भागवत शनिवारी झारखंडची राजधानी रांची येथे पोहोचले, जिथे त्यांनी आदिवासी समुदायाच्या सदस्यांशी एक-एक संवाद साधला. हा कार्यक्रम कार्निव्हल बँक्वेट हॉलमध्ये आयोजित करण्यात आला होता. कार्यक्रमादरम्यान त्यांनी सांगितले की ज्यांना आज आदिवासी म्हटले जाते ते आपल्या धर्माचे मूळ आहेत.

अगणित उपासनेचे प्रकार, प्रत्येकजण आदरास पात्र

मोहन भागवत म्हणाले की विविधतेत असलेली एकता आपल्या पूर्वजांमध्ये अंतर्निहित आहे. उपासनेचे असंख्य प्रकार असू शकतात आणि प्रत्येकजण आदरास पात्र आहे. सर्व प्रकारच्या उपासनेचा स्वीकार करा आणि त्यांचा आदर करा, ते सर्व वैध आहेत हे ओळखा. तुमच्या पद्धतीने पूजा करा. इतरांच्या पूजा पद्धतींचा आदर करा आणि स्वीकारा आणि एकत्रितपणे पुढे जा. हे आपल्या देशाचे नैसर्गिक सार आहे. धर्माचे सार निसर्गाशी जोडलेले आहे हे तुम्ही समजून घेतले पाहिजे.

आपले पूर्वज जंगलात आणि आश्रमात राहत होते

ते म्हणाले की, आपले पूर्वज एकेकाळी जंगलात आणि आश्रमात राहत होते. ते शेती करत होते आणि जंगलात राहत होते. उपनिषदे ही त्या काळातील त्यांची अनुभूती आहेत. आदिवासी लोक त्यांच्या विचारांचे पालन करतात. आता, काही लोक म्हणतात की हे लोक हिंदू नाहीत कारण त्यांची पूजा वेगळी आहे. तर, आपल्या देशात एकच पूजा कधी होती? हे सर्वात जुन्या वेदांमध्ये लिहिले आहे आणि वेदांचा एकच अर्थ आहेः अनेक भाषा बोलणारे आणि अनेक धर्मांचे पालन करणारे लोक पृथ्वी मातेवर राहतात. ज्याप्रमाणे गाय अनेक प्रवाहांमधून सर्वांना दूध देते, त्यांना आश्रय देते.

विचार आणि संस्कृतीचे उच्च स्तर विकसित झाले आहेत

मोहन भागवत म्हणाले की या दीर्घ काळात अनेक विकास झाले आहेत आणि स्वाभाविकच, विचार आणि संस्कृतीचे उच्च स्तर कालांतराने विकसित झाले आहेत. तरीही, आपण ज्या ऐक्यापासून सुरुवात केली ती अबाधित आहे. हा आपला इतिहास आहे. आपण आता ज्याला 'हिंदू' किंवा 'हिंदू धर्म' म्हणतो त्याचा उगम कसा झाला? 'हिंदू' हे नाव खूप नंतर आले आणि धर्माची संकल्पना कालांतराने विकसित झाली. जर आपण सनातन धर्माच्या उत्पत्तीचा शोध घेण्याचा प्रयत्न केला तर आपल्याला आढळेल की त्याची मुळे आपल्या देशातील जंगले आणि शेती पद्धतींमध्ये आहेत.

आदिवासीः आपल्या धर्माची मुळे

ते म्हणाले की याचा अर्थ असा आहे की ज्यांना आज आदिवासी म्हटले जाते ते आपल्या धर्माचे मूळ आहेत. जर आपण वेदांचे मूळ शोधण्याचा प्रयत्न केला तर आपल्याला तिथे जावे लागेल. आजच्या आदिवासी समाजाला कोणताही धर्म नाही ही कल्पना चुकीची आहे. धर्म म्हणजे पूजा, म्हणून पूजा प्राचीन काळापासून प्रचलित आहे. पूजामागील कल्पना देखील तेव्हापासून प्रचलित आहे. जर आपण त्याचा शोध घेतला तर आपल्याला ते सर्व उपनिषदांमध्ये सापडेल.

एका छोट्याशा चुकीमुळे स्फोट होऊ शकला असता

सीधी. जिले के अमिलिया थाना क्षेत्राच्या अंतर्गत कोलदहा पुलाच्या पुढे हड़कंप झाला, तेव्हा मोड़ पर अचानक एक डीजल से भरा टँकर आणि यंत्रमाग होकर रस्त्याच्या कडेला पलटला. हादसा तो तेज था कि टँकर का अगला हिस्सा नुकसानग्रस्त झाला. अपघातात टँकर चालकाला गंभीर दुखापत झाली, तो क्लीनर गोरेलाल यादव भी घायाळ झाला, असे म्हणणे म्हणजे रुग्णाला भर दिला. चालकाच्या नावाची माहिती फिलहाल समोर येत नाही. टैंकर पलटते ही घटनास्थल पर हालात बेकाबू होते नजर आए. टँकर से डी बहते देख आसपासच्या ग्रामीण भागात-सोबत राहगीरही मौके पोहोचले आणि डीजल लूटने की होड़ मच गई.

पहिले 300, फिर 200 आणि 100, आता 300 की हत्या, तेलंगाना में कुत्तों का कटलेआम का?

हैदराबाद. तेलंगाना में आवारा कुत्तों को मारने की एक भयानक घटना समोर आली आहे. पशु अधिकार कोल कार्य का उल्लेख आहे कि जग जिले मध्ये जवळ 300 कुत्तों बेरहमी से मारले गेले. यानंतर राज्यात घडलेल्या घटनांमध्ये एकूण 900 लोक पोहोचले आहेत. उल्लेख आहे कि कुत्तोंला मारणे का हे सरपंच सहित काही निर्वाचित जनप्रतिनिधींनी सांगितले. ते म्हणाले की, डिसेंबरमध्ये ग्रामपंचायत निवडणुकीसाठी प्रथम ग्रामपंचायतींनी लढा दिला आहे.

तारखेस 22 जानेवारी को पेगाडापल्ली गावातून समोर आले, तक्रार नोंदवा की 300 आवारा कुत्तों को जहरीले मारले. खेड्यातील सरपंच आणि ग्रामपंचायत सचिव यांना या जघन्य कृत्यांसाठी जबाबदार ठरवण्यात आले आहे. कि सरपंच ने आवारा कुत्तों को मारनेसाठी काही लोकांना हे काम सौंपा होता.

पोलीस ने शनिवारी तक्रार केली की दोघांच्या विरोधात भारतीय संहिता (बीएनएस) संबंधित धारा आणि पशु क्रूरता निवारण कायद्यानुसार

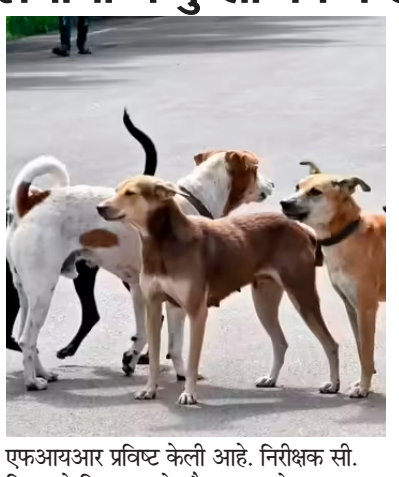

एफआयआर प्रविष्ट केली आहे. निरीक्षक सी. किरण ने कि तपास के दौरान कब्र से जवळ 70 ते 80 कुत्तों के शव बाहेर गेले. सामान्यतः समोर समोर आला आहे कि इन्हें जवळ तीन से चार दिन पहले दफनाया गेला होता.

50 माझे कुत्ते बरामद

त्यांनी सांगितले की या स्तरावर आम्ही घटनांमध्ये संलिप्तता की पुष्टि करू शकत नाही. त्यांनी सांगितले की पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्रतीक्षा करत आहे आणि केस तपासत आहे. जानेवारीमध्ये ही राज्यामध्ये आवारा कुत्तोंला मारणे अशा अनेक घटना समोर येतात. पशु अधिकार कार्याची ओरडून नोंद करा इतर तक्रारीनुसार, 19 जानेवारी हैदराबाद के पास याचाराम गावात 100 कुत्तोंने कथित रूपात जहर देकर मारला होता, तथापि त्वरित मौके से 50 मला कुत्ते बरामद केले होते.

अब तक किती कुत्ते मारे गेले

आधी एक महिना हनमकोंडा जिले में श्यामपेट आणि हेपल्ली गावांमध्ये जवळपास 300 आवारा कुत्तों की कथित रूपात मारे जातील केस पोलीस ने दो महिला सरपंच आणि त्यांच्या पतियांसह नौकांनी लोकांची बाजू मांडली.

एक अन्य घटना कामारेड्डी जिले जवळ 200 आवारा कुत्तों को कथित तौर पर मारणे प्रकरणात पाच ग्राम सरपंचांसह छह लोकांची बाजू मांडण्यात आली.

बेगुसरायमध्ये सरस्वती पूजेदरम्यान तरुणाच्या तोंडात गोळी लागली, प्रकृती गंभीर, तपास करणारे डीएसपी

बेगुसराय. सरस्वती पूजेमध्ये सहभागी असलेल्या एका तरुणाला गोळी लागली आणि तो गंभीर जखमी झाला. शहरातील एका खाजगी रुग्णालयात या तरुणावर उपचार सुरू आहेत. रतनपूर पोलिस स्टेशन परिसरातील हिरालाल चौक जवळील ताराबन्ना परिसरात ही घटना घडली. जखमीचे नाव निक्की कुमार (२२) असे आहे, जो अजय रामचा मुलगा आहे. परिसरात सरस्वती पूजा झाली होती आणि निक्की कुमार पूजेसाठी घराबाहेर पडला होता. शनिवारी संध्याकाळी त्याच्या कुटुंबाला निक्कीवर गोळीबार झाल्याची माहिती मिळाली.

सरस्वती पूजेदरम्यान गोंधळ

कुटुंबातील सदस्यांना त्याला शहरातील रुग्णालयात दाखल करण्यात आल्याची माहिती देण्यात आली. त्यानंतर कुटुंबाने रुग्णालयात धाव घेतली. घटनेची माहिती मिळताच, सदर डीएसपी आनंद कुमार पांडे यांच्या नेतृत्वाखाली

रतनपूर पोलिसांनी रुग्णालयात पोहोचून जखमी आणि कुटुंबाची भेट घेतली. निक्कीला गोळी

कशी लागली हे स्पष्ट नसले तरी, त्याच्या तोंडात गोळी लागली आहे, त्यामुळे त्याची प्रकृती चिंताजनक आहे. कुटुंबीयांनी सांगितले की तो शेजारच्या सरस्वती पूजामध्ये सहभागी होण्यासाठी घराबाहेर पडला होता. तो पूजेला जात असल्याचे सांगून तो घराबाहेर पडला होता. मात्र, त्याचे काही मित्र आले आणि त्यांनी त्याला सांगितले की निक्कीवर गोळीबार झाला आहे.

पोलिस तपास करत आहेत

गोळीबार कसा झाला किंवा कोणी केला याबद्दल कोणतीही माहिती उपलब्ध नाही. जखमी व्यक्तीला त्याच्या मित्राने रुग्णालयात नेले. पोलिसांनी रुग्णालयात आलेल्या एका तरुणाला ताब्यात घेतले आहे आणि त्याची चौकशी करत आहे. संपूर्ण माहिती गोळा करण्यासाठी ते घटनेचा तपास करत आहेत. सदरचे डीएसपी आनंद पांडे यांनी सांगितले की, घटनास्थळ सुरक्षित करण्यात आले आहे आणि जवळील सीसीटीव्ही फुटेज स्कॅन केले जात आहे. गोळी लागल्याने तरुण जखमी झाला आहे.

दूसरे दिन भी नहीं रुकी 'बॉर्डर 2' की रफ्तार, सनी देओल का तूफान पहले वीकेंड में ही 'धुरंधर' पर भारी

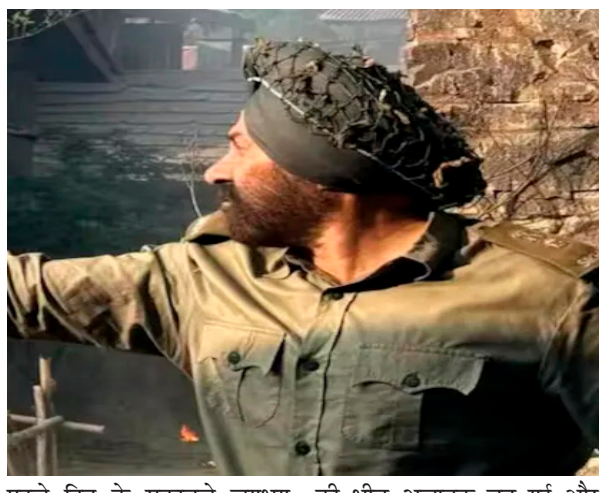

फिल्म बॉक्स ऑफिस पर एक बार फिर देशभक्ति और एक्शन का जादू चल पड़ा है. लंबे समय से 'धुरंधर' की धूम के बाद अब सिनेमाघरों में सनी देओल की 'बॉर्डर 2' ने जबरदस्त एंट्री मारी है। पहले दिन करीब 32 करोड़ रुपये की नेट कमाई के साथ फिल्म ने मजबूत शुरुआत की और दूसरे दिन इसके कलेक्शन में साफ उछाल देखने को मिल रहा है, जिसकी वजह से शनिवार को हालात बेहतर नजर आए, जिससे फिल्म की रफ्तार तेज हो गई. शुरुआती ट्रेंड्स बता रहे हैं कि 'बॉर्डर 2' पहले ही वीकेंड पर कमाई के मामले में धुरंधर को मात भी दे सकती है।

दूसरे दिन बढ़ी रफ्तार, ऑक्यूपेंसी में जबरदस्त उछाल

दूसरे दिन की सुबह के शोज पहले दिन के मुकाबले लगभग बराबर रहे. कुछ इलाकों में हल्की बढ़त दिखी तो कहीं कहीं मामूली गिरावट भी रही। लेकिन असली खेल दोपहर के बाद शुरू हुआ. शाम और रात के शोज में दर्शकों की भीड़ अचानक बढ़ गई और ज्यादातर सिनेमाघरों में ऑक्यूपेंसी काफी बेहतर हो गई. सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक, शनिवार को फिल्म ने 21 करोड़ रुपये कमा लिए थे। इसमें शाम और रात के शोज शामिल नहीं हैं. ट्रेड एक्सपर्ट्स मान रहे हैं कि दिन खत्म होने तक 'बॉर्डर 2' का कलेक्शन 33 से 37 करोड़ रुपये के बीच जा सकता है. पहले दिन रात में भारी बारिश और भारत न्यूजीलैंड टी20 मैच का असर पड़ा था, जिससे नाइट शोज उम्मीद के मुताबिक नहीं चल पाए थे. शनिवार को ये दोनों रुकावटें नहीं हैं. साथ ही वीकेंड की टिकट कीमतों का फायदा भी दर्शक उठा सकते हैं. फिल्म को चार दिन का एक्सटेंडेड वीकेंड मिल रहा है. इसलिए ये अनुमान लगाया जा रहा है कि 'बॉर्डर 2' 125 से 135 करोड़ रुपये तक का नेट बिजनेस कर सकती है. ये आंकड़ा फिल्म के लिए शानदार शुरुआत माना जाएगा और पहले हफ्ते की कमाई फिल्म को ज्यादा दमदार हिट बना सकती है।

गोविंदा ने प्रतापगढ़ में खूब लगाए ठुमके

गोविंदा भले ही बड़े पर्दे से दूर हों, पर आज भी उनका क्रेज बरकरार है। लोग गोविंदा की एक्टिंग ही नहीं बल्कि डांस के भी दीवाने हैं। 90 के दशक में अपने ठुमकों पर सबको नचाने वाले गोविंदा हाल ही प्रतापगढ़ के एक कॉलेज में अपने हिट गाने 'यूपी वाला ठुमका लगाऊं' पर जोरदार डांस करते नजर आए। गोविंदा प्रतापगढ़ के एक कॉलेज के एनुअल फंक्शन में हिस्सा लेने पहुंचे थे। स्टेज पर पहुंचे तो गोविंदा अपने पुराने अंदाज और जोश में दिखे। गोविंदा के डांस की डिमांड होने लगी। बस फिर क्या था, गोविंदा ने अपने कई गानों पर अपने पुराने अंदाज में डांस किया।

ओ रोमियो विवाद ने लिया नया मोड़, ट्रेलर रिलीज के बाद पुलिस तक पहुंचा मामला

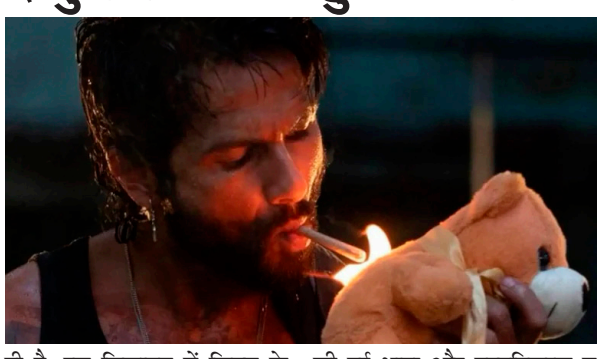

फिल्म 'ओ रोमियो' को लेकर शुरू हुआ विवाद अब कानूनी नोटिस से आगे बढ़ते हुए पुलिस शिकायत तक पहुंच गया है. ट्रेलर रिलीज के बाद यह मामला और गंभीर हो गया, जब हुसैन उस्तरा की बेटी सनोबर शेख ने फिल्म के निर्माता और निर्देशक के खिलाफ मुंबई पुलिस में औपचारिक कंप्लेन दर्ज कराई. ओ रोमियो को लेकर दावा किया जा रहा है कि फिल्म की कहानी लेखक हुसैन जैदी की किताब की एक कहानी से प्रेरित है, जो हुसैन उस्तरा के जीवन के इर्द गिर्द घूमती है. सनोबर शेख का आरोप है कि फिल्म को सच्ची घटनाओं से प्रेरित बताकर उनके पिता की जिंदगी और छवि को गलत और अपमानजनक तरीके से पेश किया गया है।

सनोबर शेख की ओर से उनके वकील डी वी सरोज ने मुंबई के जे जे मार्ग पुलिस स्टेशन में शिकायत दी है. इस शिकायत में फिल्म के निर्माता साजिद नाडियाडवाला, निर्देशक विशाल भारद्वाज और स्क्रीनराइटर रोहन नरूला के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS Act 2023) की धाराओं 316, 317, 318 और 356 के तहत FIR दर्ज करने की मांग की गई है। शिकायत में कहा गया है कि ट्रेलर में कुछ संवाद और दृश्य बेहद आपत्तिजनक हैं. ट्रेलर में इस्तेमाल की गई भाषा और प्रस्तुतिकरण न केवल अशोभनीय है, बल्कि इससे सनोबर शेख के दिवंगत पिता हुसैन उस्तरा की सामाजिक छवि को भी नुकसान पहुंचता है. शिकायत के मुताबिक, हुसैन उस्तरा एक मेहनती और कानून का पालन करने वाले नागरिक थे, जिनकी समाज में एक अलग पहचान थी, और फिल्म में दिखाई गई तस्वीर उस पहचान से मेल नहीं खाती।

'अवतार 3' ने भारत में कमाए 232 करोड़, जानें सबसे ज्यादा कलेक्शन इंग्लिश, हिंदी, तमिल या तेलुगू किस भाषा से आया

अवतार फायर एंड ऐश' ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की है. इस फिल्म की दुनियाभर में जबरदस्त दीवानगी है और इसका इशारा भारत में इसके ग्रॉस कलेक्शन में भी देखने को मिला है। जेम्स कैमरून निर्देशित इस फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर लगभग 232 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है. बेशक ये अपनी पिछली फिल्म की कामयाबी को नहीं दोहरा सकी है, लेकिन जब बॉलीवुड की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फीकी रही हैं और धुरंधर का जोरदार शोर जारी था, उस समय अवतार का इस तरह का कलेक्शन कमाल का ही कहेंगे।

अवतार 3 भारत में नेट और ग्रॉस बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

फिल्म ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क ने फिल्म के भारत से लेकर दुनियाभर के कलेक्शन की जानकारी दी है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने दुनियाभर में 12000 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है जबकि इसने भारत में 232.50 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया है। हालांकि भारत में नेट कलेक्शन की बात करें तो यह 190.50 करोड़ रुपये रहा है। 'अवतारः फायर एंड ऐश' 18 दिसंबर 2025 को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इस इंग्लिश फिल्म को हिंदी, तमिल, तेलुगू और मलयालम में रिलीज किया गया था। सैकनिल्क के मुताबिक, इसने इंग्लिश भाषा में 84.84 करोड़ रुपये कमाए हैं जबकि हिंदी में 64.74 करोड़ रुपये कमाए, तमिल में इसके कलेक्शन 26.65 करोड़ रुपये रहा। उसके बाद बारी आती है तेलुगू की जिसमें इसने 13.51 करोड़ रुपये का कलेक्शन. मलयालम और कन्नड़ में ये कुल मिलाकर सिर्फ 75 करोड़ रुपये ही कमा सकी। 'अवतारः फायर एंड ऐश' का निर्देशन जेम्स कैमरून ने किया है। जो इससे पहले टाइटैनिक और टर्मिनेटर जैसी फिल्में बना चुके हैं। 'अवतारः फायर एंड ऐश' को अवतार 3 भी कहा गया है और इसका बजट 40 करोड़ डॉलर यानी लगभग 3500 करोड़ रुपये है. इसमें केट विंस्लेट, सैम वर्थिंगटन, जो सल्दाना और स्टीफन लैंग लीड रोल में है। अवतार का पहला और दूसरा पार्ट भी दर्शकों को खूब पसंद आया था। अवतार 3 हिंदी ट्रेलर को यूट्यूब पर लगभग 16 मिलियन व्यूज मिल चुके हैं।

बॉर्डर 2 की बम्पर ओपनिंग के बीच सलमान खान की फिल्म का मातृभूमि सॉन्ग रिलीज, भाईजान का अलग अंदाज

इन दिनों हर तरफ बॉलीवुड फिल्म बॉर्डर 2 की चर्चा हो रही है. जहां 23 जनवरी को फिल्म की रिलीज के बाद सनी देओल, वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ की तारीफें हो रही हैं तो वहीं अब पहले दिन का कलेक्शन धुरंधर के ओपनिंग कलेक्शन को पछाड़ दिया है. इसी बीच सलमान खान (Salman Khan) की बैटल ऑफ गलवान के मेकर्स ने टीजर के बाद अब फिल्म का पहला गाना मातृभूमि रिलीज कर दिया है. यह गाना फिल्म के म्यूज़िकल सफर की पहली झलक देता है, जिसमें देशभक्ति और इमोशन दोनों साफ महसूस होते हैं. सादा लेकिन असरदार यह गाना फिल्म की कहानी का मूड सेट करता है और रिलीज से पहले दर्शकों की एक्साइटमेंट को और बढ़ा देता है.

सलमान खान भारतीय सेना अधिकारी के रूप में आए नजर

इस गाने में सलमान खान एक भारतीय सेना अधिकारी के रूप में नजर आ रहे हैं, जबकि उनके साथ चित्रांगदा सिंह दिखाई देती हैं और उनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री काफी नैचुरल और जुड़ाव भरी लगती है. दोनों को दो छोटे बच्चों के साथ एक परिवार के रूप में दिखाया गया है, जहां घर के सुकून भरे पल और गलवान की जंग के कड़े दृश्य साथ-साथ चलते हैं। मातृभूमि गाते हुए परिवार के ये सीन ड्यूटी और संघर्ष के पलों से जुड़ते हैं, जो प्यार, बलिदान और देशसेवा के भाव को और भी गहराई से सामने लाते हैं।

हिमेश रेशमिया ने कंपोज किया है बैटल ऑफ गलवान का मातृभूमि

मातृभूमि गाना बैटल ऑफ गलवान का इमोशनल और देशभक्ति से भरा एहसास है. इस गाने को हिमेश रेशमिया ने कंपोज़ किया है, जो एक बार फिर दिल को छू लेने वाली और असरदार धुन के साथ अपनी खास पहचान छोड़ते हैं. हिमेश ने बताया कि बैटल ऑफ गलवान के लिए मातृभूमि बनाना उनके लिए काफी इमोशनल रहा. उन्होंने कहा कि गाने की फील सेना की बीट्स और उनकी एनर्जी से आई है. अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल के साथ काम करना खास था, और सलमान खान के साथ फिर से जुड़ना, साथ ही सलमान खान फिल्म्स म्यूज़िक लेबल से गाने का रिलीज होना, इस पूरे सफर को और भी स्पेशल बना देता है।

मातृभूमि के बोल समीर अंजन ने लिखे हैं, जबकि इसे अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल ने अपनी आवाज़ दी है, जो इंडियन म्यूज़िक की सबसे पसंदीदा आवाज़ों में से हैं। बैटल ऑफ गलवान को सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया है, जबकि फिल्म के निर्देशक अपूर्व लाखिया हैं. इसका म्यूज़िक सलमान खान फिल्म्स म्यूज़िक लेबल से रिलीज हुआ है और सोनी म्यूज़िक इंडिया इसकी ऑफिशियल म्यूज़िक डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर है। फिल्म बहादुरी, बलिदान और जज्बे की कहानी दिखाने का वादा करती है, जिसमें चित्रांगदा सिंह भी अहम भूमिका में नजर आएंगी।

रात को बाल बांधकर सोएं या खोलकर? ये एक गलती बना सकती है आपको गंजा

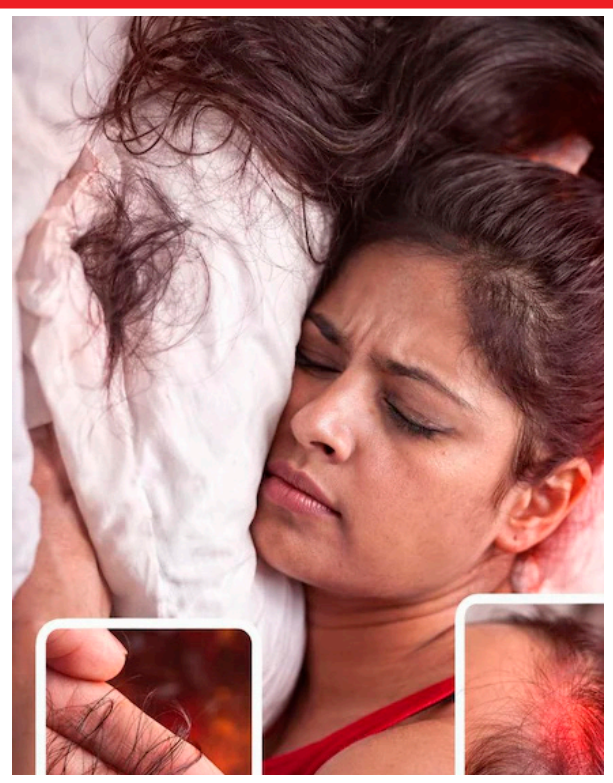

रात को सोने से पहले हम अक्सर छोटे-छोटे फैसले बिना सोचे ले लेते हैं, मोबाइल चार्जिंग पर लगाना, अलार्म सेट करना और फिर बालों को जैसे-तैसे संभालकर सो जाना। लेकिन, क्या आपने कभी सोचा है कि बाल बांधकर सोना सही है या खोलकर? यह सवाल खासकर महिलाओं और लंबे बाल रखने वालों के बीच बहुत आम है। कई लोग अक्सर लोग बाल उलझने से बचाने के लिए रात में बाल बांधकर सो जाते हैं। लेकिन, अगर यह आदत रोज की बन जाए और तरीका सही न हो, तो इससे बालों और स्कैल्प दोनों को नुकसान हो सकता है। कोई कहता है बाल खोलकर सोना चाहिए ताकि स्कैल्प को आराम मिले, तो कोई मानता है कि बाल बांधने से उलझते नहीं. सच क्या है? आइए आसान भाषा में समझते हैं कि बाल बांधकर सोने के क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं।

सोने के तरीके का बालों की सेहत पर असर

नींद के दौरान हमारा शरीर ही नहीं, बाल और स्कैल्प भी रिकवर करते हैं। इस समय बालों पर पड़ने वाला खिंचाव, घर्षण और नमी की कमी सीधे उनकी सेहत को प्रभावित करती है. इसलिए सोने का तरीका, तकिया का कपड़ा और बालों की पोज़िशन सब मायने रखते हैं.

अगर आपके बाल छोटे हैं या बहुत ज्यादा उलझते नहीं हैं, तो बाल खोलकर सोना फायदेमंद हो सकता है।

इससे स्कैल्प पर कोई खिंचाव नहीं पड़ता। ब्लड सर्कुलेशन बेहतर रहता है।

सिरदर्द या हेयरलाइन स्ट्रेस का खतरा कम होता है।

लेकिन इसका एक नुकसान भी है. खुले बाल रात में तकिए से रगड़ खाते हैं, जिससेः बाल ज्यादा टूट सकते हैं।

फ्रिज और दोमुंहे बाल बढ़ सकते हैं।

सुबह बाल ज्यादा उलझे हुए मिलते हैं।

बाल बांधकर सोने के फायदे लंबे, घुंघराले या बहुत घने बाल वालों के लिए बाल बांधकर सोना कई बार ज्यादा प्रैक्टिकल होता है. इससे बाल कम उलझते हैं।

टूट-फूट और रगड़ कम होती है.

सुबह बाल संभालना आसान होता है।

लेकिन ध्यान रहे टाइट हेयरस्टाइल सबसे बड़ी गलती है। बहुत कसकर बांधे गए बालों से हेयर फॉल बढ़ सकता है, हेयरलाइन पीछे जा सकती है, स्कैल्प में दर्द और तनाव हो सकता है। जब बाल कसकर बांधे जाते हैं, तो जड़ों पर लगातार खिंचाव पड़ता है। इसे ट्रैक्शन एलोपेसिया कहा जाता है. हेयरलाइन से बाल पतले होने लगते हैं, माथे और कानों के पास से बाल ज्यादा झड़ते हैं।

50 की उम्र में भी दिखेंगी 25 की, बस रोज रात को सोने से पहले करें इस अंग की मालिश

बढ़ती उम्र भला किसे ही पसंद आती है. बढ़ती उम्र का असर सबसे पहले आपके चेहरे पर ही नजर आता है. बढ़ती उम्र में त्वचा पर झुर्रियां और स्किन ढ़ीली पड़ने लगती है. चेहरे पर ऐसे लक्षण दिखते हैं लोग महंगे-महंगे प्रोडक्ट्स और ट्रीटमेंट जैसे बोटोक्स और महंगे फेशियल लेने लगते हैं जिनमें खर्चा भी खूब होता है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन समस्याओं का हल आप घर पर ही खुद से कर सकते हैं. इसका इलाज आपके हाथों मे ही है. बस आपको रोज रात को सोने से पहले अपने कानों की मालिश करनी है.

अब आप सोचेंगे कि आखिर चेहरे के लिए कानों की मसाज क्यों करनी है? तो आपको बता दें कि ये एक प्रीचन तकनीक है जो आपकी स्किन को नेचुरली लिफ्ट करती है. अगर आप भी 50 की उम्र में अपने चेहरे पर 25 साल जैसा निखार चाहती हैं तो रोज रात को सोने से पहले अपने कानों की मालिश जरूर करें।

कान की मालिश करने के फायदे

बता दें कि हमारे कान के पास शरीर की प्रमुख लिम्फ कोशिकाएं पाई जाती हैं. अगर इनमें सही से फ्लो नहीं होता है तो चेहरे पर सूजन और भारीपन दिखने लगता है. ये शरीर के अंदर की गंदगी को बाहर निकालती है जिससे चेहरा सिल्म और टाइट नजर आता है.

कानों पर मालिश करने से इसके एक्यूप्रेशर प्वाइंट एक्टिव होते हैं. जिससे इनका ब्लड फ्लो बढ़ जाता है और फेस मसल्स की टोनिंग भी हो जाती है।

मालिश से चेहरे की तरफ आने वाला ब्लड सर्कुलेशन बढ़ जाता है. जिससे फेस पर ज्यादा ऑक्सीजन पहुंचती है और चेहरा नेचुरली ग्लो करने लगता है। अमूमन स्ट्रेस की वजह से हमारे जबड़े की मसल्स खिंची रहती है, जिस वजन से फेस बूढ़ा दिखने लगता है।

कान की मालिश कैसे करें

साइड पुल - इसको करने के लिए कानों को सबसे ऊपरी हिस्से से पकड़ें, कानों को ऊपर की ओर खींच कर हल्का सा छोड़ दें। इस एक्सरसाइज को 10 बार करें।

साइड वे पुल - इसको करने के लिए कानों को बीच वाले हिस्से से पकड़ें और कान को बाहर की ओर खींचें. इस एक्सरसाइज को 10 बार रिपीट करें।

पुल डाउन - कान की लोब्स को पकड़ें और नीचे की तरफ धीरे से खींचें. इस एक्सरसाइज को 10 बार रिपीट करें।

सर्दियों का आलस आपको बना सकता है बीमारियों का घर

सर्दियों में आलस की वजह से रजाई से निकलना मुश्किल हो जाता है और बाकी की कसर ऑफिस में घंटों कुर्सी पर बैठकर उंगुलियों से मेहनत कराकर पूरी होती है। आज की जीवन शैली में मस्तिष्क का इस्तेमाल ज्यादा बढ़ गया है और शारीरिक गतिविधियां कम हो गई हैं। ये बात सुनने में साधारण सी लगती है, लेकिन कम शारीरिक गतिविधि शरीर को बीमार करने के लिए काफी है. कम शारीरिक गतिविधि को आयुर्वेद शरीर के लिए चेतावनी मानता है।

आयुर्वेद में कहा गया है, "अतियोग, हीनयोग और मिथ्या योग, यानी ये ही रोगों के मूल कारण हैं।" आयुर्वेद में शरीर को कर्मयोग का साधन कहा गया है। अगर शरीर चलना बंद कर दे तो वात और कफ दोनों ही असंतुलित हो जाते हैं. कम गतिविधि से शरीर असंतुलित हो जाता है। इससे कफ दोष बढ़ता है, वात दोष बिगड़ता है, पित्त दोष भी प्रभावित होता है और सबसे जरूरी इम्युनिटी गिरती है। ये शरीर को बेहद गंभीर रोग देने के लिए काफी है।

चरक संहिता में कहा गया है, "व्यायामात लभते स्वास्थ्यं दीर्घायुष्यं बलं सुखम्," यानी व्यायाम से स्वास्थ्य, लंबी आयु, शक्ति और सुख मिलता है, लेकिन वही अगर शरीर कम गतिविधि करता है, तो बहुत सारे रोग शरीर को घेर लेते हैं, जैसे मोटापा और मधुमेह. अगर ज्यादा लंबे समय तक बैठे रहा जाए, तो शरीर में वसा का जमाव बढ़ जाता है और शरीर का मेटाबॉलिज्म कमजोर होता है, जिससे मोटापा और मधुमेह जैसी बीमारी होने की संभावना बढ़ जाती है।

दूसरा, गठिया और जोड़ों के दर्द को भी न्योता मिलता है. लंबे समय तक अगर एक ही पॉश्चर में रहता है तो हड्डियों से लेकर मांसपेशियों में जकड़न परेशान करने लगती है और जोड़ों का दर्द भी परेशान करता है, क्योंकि हड्डियों के जोड़ लगातार एक ही स्थिति में रहते हैं।

तीसरा, हाई ब्लड प्रेशर की संभावना बढ़ जाती है और दिल से जुड़े रोगों का खतरा भी बढ़ जाता है. चलने से शरीर में रक्त का संचार तेजी से होता है और ऑक्सीजन रक्त के साथ शरीर के हर हिस्से तक पहुंचती है, लेकिन ऐसा न होने पर रक्त और ऑक्सीजन की कमी से ब्लड प्रेशर की बीमारी शरीर को घेर लेती है। ब्लड प्रेशर की समस्या होने के बाद दिल से जुड़े रोगों की संभावना तेजी से बढ़ती है। इसके अलावा डिप्रेशन और चिंता, पाचन संबंधी विकार और रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है।

कौन सी कुर्ती आपको स्लिम दिखाती है, टिप्स जिनसे आप दिख सकती हैं स्टाइलिश और कॉन्फिडेंट

हर महिला का बॉडी टाइप अलग होता है, यही कारण है हर किसी पर हर स्टाइल सही नहीं लगता है. अक्सर हेवी बस्ट वाली लड़कियों को कपड़े चुनने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. गलत फिटिंग और गलत पैटर्न वाली कुर्ती कई बार ऊपरी हिस्से को और भी भारी दिखा देती है. इसलिए आज हम आपके लिए कुछ ऐसी स्टाइलिंग टिप्स लेकर आए हैं, जिन्हें फॉलो कर आप अपने लुक में स्टाइलिश और कॉन्फिडेंट फ़ील कर सकती हैं।

कपड़ों में पतले कैसे दिखें?

V-Neck या Sweetheart Neck चुनें: यह दोनों नेकलाइन नेक के हिस्से को लंबा दिखाकर पूरे लुक में बैलेंस बनाती हैं. हेवी बस्ट वाली लड़कियों वाली लड़कियों के लिए यह अच्छी मानी जाती हैं. एलिगेंट और सॉफ्ट लुक के लिए आप Sweetheart नेक चुन सकते हैं।

A-Line कुर्ती: A-Line वाली कुर्तियां ऐसी होती हैं, जो ऊपर से फिट वाली होती हैं और नीचे से हल्की फ्लेयर वाली होती है. हेवी बस्ट वाली लड़कियों के बेहतरीन मानी जा सकती है क्योंकि यह सुंदर के साथ सिम्पल लुक देता है. इस तरीके की कुर्ती को पहनकर चलने में दिक्कत नहीं आती और शरीर पर तनाव भी नहीं पड़ता है।

Empire Cut कुर्ती: Empire Cut पेट की शेप को कवर कर लेता है, बस्ट के वजन को विजुअली कम दिखाता है और लुक को सिम्पल भी रखता है. अगर आप हमेशा क्या पहनूं और क्या न पहनूं को लेकर दुविधा में रहते हैं, तो Empire Cut को चुन सकते हैं। यह बेहद आरामदायक साबित हो सकती है।

मथुरा में सीएम योगी ने भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन संग सुनी 'मन की बात'

संवाददाता

मथुरा, उत्तर प्रदेश। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' का श्रवण किया। वृंदावन स्थित अक्षयपात्र में आयोजित इस कार्यक्रम में दोनों नेता सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के पहले दौरे पर पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का ब्रजभूमि में आत्मीय स्वागत और अभिनंदन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने 'राधे-राधे', 'वृंदावन बिहारी लाल', 'राधा रानी', 'यमुना मैया', 'हर-हर महादेव', 'जय श्रीराम', 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के उद्घोष के साथ अपने वक्तव्य की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन युवा ऊर्जा और संगठनात्मक क्षमता के प्रतीक हैं। बिहार विधानसभा में पांचवीं बार विधायक के रूप में सेवा दे चुके नितिन नबीन ने संगठन के विभिन्न दायित्वों का सफल निर्वहन किया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। इस दायित्व के बाद योगेश्वर श्रीकृष्ण की पावन धरा पर उनका प्रथम आगमन अत्यंत आह्लादकारी है। सीएम योगी ने ब्रजभूमि की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि मथुरा, वृंदावन, बरसाना, गोकुल, गोवर्धन, नंदगांव और बलदेव जैसे तीर्थस्थल हजारों वर्षों से सनातन संस्कृति और आस्था के केंद्र रहे हैं। यहां की रज-रज और कण-कण में श्रीकृष्ण, राधा रानी और अनंत सांस्कृतिक विरासत की अनुभूति आज भी श्रद्धालु करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अंत्योदय के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय की जन्मभूमि भी मथुरा में स्थित है और प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से ब्रज क्षेत्र आध्यात्मिक विरासत के साथ विकास के नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब 'बीमारू' राज्य नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार बन चुका है। पिछले पांच वर्षों से अधिक समय से प्रदेश रेवेन्यू सरप्लस राज्य के रूप में आगे बढ़ रहा है। डबल इंजन सरकार डबल स्पीड से बड़े-बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को धरातल पर उतार रही है और हर नागरिक को सुरक्षा का अहसास करा रही है। गरीब कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से बिना भेदभाव किसान, युवा, महिलाएं और वंचित वर्ग को योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। सीएम योगी ने कहा कि आज यूपी का नौजवान अपनी पहचान को लेकर गर्व महसूस करता है। एक समय था जब प्रदेश को बीमारू कहकर उसकी विरासत का उपहास किया जाता था, लेकिन आज वही उत्तर प्रदेश देश के विकास अभियान में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रति जनता का बढ़ता विश्वास इस बदलाव का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश ने पिछले नौ वर्षों में जो विकास की गति पकड़ी है, उसे और तेज करने के लिए पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता समर्पण भाव से कार्य करेगा और वर्तमान के साथ भविष्य के निर्माण में भी अहम भूमिका निभाएगा।

जैसलमेर में हथियारबंद चोर गैंग का आतंक सोलर-विंड पावर संयंत्र बन रहे निशाना

संवाददाता

जैसलमेर, राजस्थान। राजस्थान के जैसलमेर जिले के फतेहगढ़ कस्बे और आसपास के ग्रामीण इलाकों में इन दिनों हथियारबंद चोर गैंग का खौफ बना हुआ है। यह गैंग रिन्यूएबल एनर्जी परियोजनाओं—विशेषकर सोलर और विंड पावर संयंत्रों—में लगे महंगे उपकरण, केबल, पैनल और अन्य सामग्री की लगातार चोरी कर रहा है। हालात ऐसे हैं कि रात के समय हथियारों से लैस बदमाश बिना नंबर प्लेट की गाड़ियों में घूमते हुए सुरक्षा गार्डों को जान से मारने की धमकी देते हैं, जिससे क्षेत्र में भय और आक्रोश का माहौल है। शनिवार को भोपा, डांगरी, लखासर, लाला, कराड़ा, मेहरेरी, छोड़िया और भीखसर समेत कई गांवों के सैकड़ों ग्रामीण और सोलर संयंत्रों में तैनात सुरक्षाकर्मी जिला पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिवहरे के कार्यालय पहुंचे। उन्होंने एक लिखित ज्ञापन सौंपकर सक्रिय चोर गैंग के खिलाफ तत्काल और कड़ी कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में गैंग के कथित मुख्य सरगना सुमेर सिंह (निवासी भोपा) और भोम सिंह (निवासी डांगरी) के नाम स्पष्ट रूप से दर्ज किए गए हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इस गैंग के पास कई बिना नंबर प्लेट की गाड़ियां हैं, जिनके आगे-पीछे लोहे के बड़े एंगल (गाटर) लगे हुए हैं। इन वाहनों को दिन में अन्य इलाकों में छिपाकर रखा जाता है और रात के समय इन्हीं के जरिए चोरी की वारदातों को अंजाम दिया जाता है।

ग्रामीणों का दावा है कि बीते एक साल में इस गैंग ने १०० से अधिक चोरी की घटनाएं की हैं। मीडिया से बातचीत में ग्रामीणों ने बताया कि बदमाश बेहद सुनियोजित और प्रोफेशनल तरीके से काम करते हैं। सुरक्षा गार्डों को हथियार दिखाकर डराया-धमकाया जाता है, जिससे वे विरोध नहीं कर पाते। आरोप यह भी है कि जब पुलिस कार्रवाई की कोशिश करती है, तो गैंग के सदस्य सोशल मीडिया पर झूठे मारपीट और टॉर्चर के वीडियो वायरल कर पुलिस पर दबाव बनाने की कोशिश करते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बदमाशों के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर हथियारों के साथ सैकड़ों फोटो और वीडियो मौजूद हैं, लेकिन इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ज्ञापन में मांग की गई है कि गैंग के खिलाफ विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की जाए, सरगनाओं और सदस्यों के वाहनों को जब्त किया जाए, अवैध हथियारों की बरामदगी कर आपराधिक रिकॉर्ड की जांच हो, अन्य संलिप्त सदस्यों की पहचान कर कार्रवाई की जाए और सोलर संयंत्रों में तैनात सुरक्षाकर्मियों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो कोई बड़ी और गंभीर घटना हो सकती है, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। उन्होंने कहा कि चोरों के डर से रात में नींद नहीं आती और जान-माल पर हर समय खतरा बना रहता है। वहीं, जिला पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिवहरे ने ज्ञापन प्राप्त कर ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि पूरे मामले की गहन जांच कराई जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

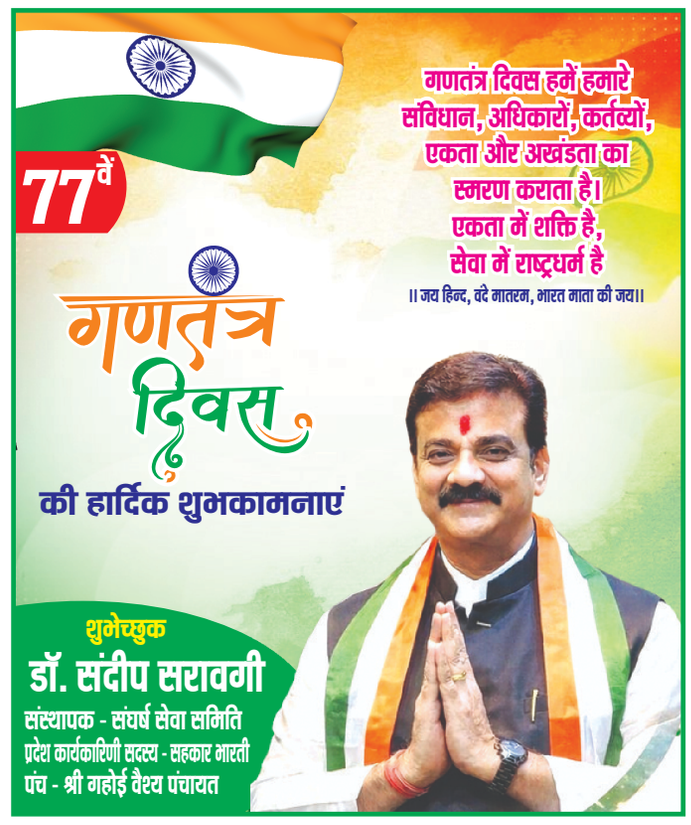

नोएडा में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाला गिरोह बेनकाब, तीन गिरफ्तार

संवाददाता

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर-६३ क्षेत्र में सेंट्रल नोएडा पुलिस ने नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त बेरोजगारों, मजदूर वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को निशाना बनाकर उनसे लाखों रुपये की ठगी कर रहे थे। पुलिस ने इनके कब्जे से बड़ी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, नकदी और घटना में प्रयुक्त कार बरामद की है। पुलिस के अनुसार, शनिवार को थाना सेक्टर-६३ पुलिस टीम ने डी-पार्क क्षेत्र से तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की पहचान आयुष पाण्डेय, शिवम और प्रियांशु श्रीवास्तव के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान अभियुक्तों के पास से ५ लैपटॉप, ५ एंड्रॉइड मोबाइल फोन, १ कीपैड मोबाइल फोन, २ एटीएम कार्ड, १४,५०० रुपये नकद तथा ठगी में प्रयुक्त एक स्विफ्ट कार बरामद की गई। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि अभियुक्त राह चलते आमजन, मजदूरों और गरीब वर्ग के लोगों से संपर्क करते थे। कभी अपनी मजबूरी बताकर तो कभी लालच देकर वे लोगों को विश्वास में लेते थे। इसके बाद उनसे मोबाइल फोन और एटीएम कार्ड लेकर उनके नाम से अलग-अलग यूपीआई आईडी और बैंक खातों का संचालन करते थे। इन्हीं खातों का इस्तेमाल कर नौकरी दिलाने के नाम पर अन्य लोगों से पैसे मंगवाए जाते थे। ठगी की रकम एटीएम कार्ड के जरिए निकाल ली जाती थी और खाताधारकों को मात्र एक हजार से पंद्रह सौ रुपये देकर बहला दिया जाता था। अभियुक्तों के मोबाइल फोन से मिले स्क्रीनशॉट्स के आधार पर यह भी सामने आया है कि एक महिला से नौकरी दिलाने के नाम पर अलग-अलग खातों और यूपीआई आईडी के माध्यम से करीब ८.५० लाख रुपये की ठगी की गई। इस संबंध में थाना सेक्टर-६३ में संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

पुलिस अब अभियुक्तों से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि इस गिरोह से और कौन-कौन लोग जुड़े हैं तथा अब तक कुल कितनी ठगी की जा चुकी है। साथ ही पुलिस ने आमजन से अपील की है कि नौकरी दिलाने के नाम पर किसी भी अज्ञात व्यक्ति को अपने बैंक खाते, एटीएम कार्ड या मोबाइल फोन की जानकारी न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

पिता बनने के 3 दिन बाद मौत: उन्नाव में हादसे में 2 भाइयों समेत तीन की जान गई, बाइक साइन बोर्ड से टकराई

डॉ अंशुमान अग्निहोत्री

उन्नाव, उत्तर प्रदेश। पुरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत एक तेज रफ्तार बाइक बेकाबू होकर लोहे के साइन बोर्ड से टकरा गई। हादसे में दो भाइयों समेत ३ युवकों की मौत हो गई। तीनों एक ही बाइक से लखनऊ अपनी मौसी के घर भंडारा कार्यक्रम में जा रहे थे। उन्होंने हेलमेट भी नहीं पहना हुआ था। रास्ते में नदी के पुल के पास अंधे मोड़ पर हादसा हो गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों उछल कर १० फीट दूर जा गिरे। करीब आधे घंटे तक तड़पते रहे। फिर वहां से गुजर रहे लोगों की उन पर नजर पड़ी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। तक तब दो युवक दम तोड़ चुके थे। तीसरे को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। बता दे कि मृतकों में एक तीन दिन पहले ही पिता बना था। रविवार को उसकी नवजात बेटी की छठी थी। एक की अप्रैल में शादी होनी थी। घटना जिला मुख्यालय से ४० किलोमीटर दूर पुरवा कोतवाली क्षेत्र के गदोरवा गांव के पास की है।

भंडारे में शामिल होने मोहनलालगंज जा रहे थे उन्नाव जिले के बीघापुर थाना क्षेत्र के अढ़ोली गांव निवासी अनुराग (३१) पुत्र रमेश कुमार अपनी मौसी के घर मोहनलाल गंज में आयोजित भंडारे में शामिल होने के लिए रात करीब १० बजे निकला था। उसके साथ उसका ममेरा भाई राहुल पाल (२६) निवासी बेसनखेड़ा और दोस्त सौरभ गौतम (२५) निवासी तौरा भी थे। तीनों अपाचे बाइक से जा रहे थे। दो की मौके पर मौत, एक ने रास्ते में दम तोड़ा जब बाइक अचलगंज-पुरवा रोड पर गदोरवा गांव में लोन नदी के पास बने पुल और अंधे मोड़ के नजदीक पहुंची, तभी तेज रफ्तार के कारण बाइक बेकाबू हो गई। सड़क किनारे लगे लोहे के साइन बोर्ड से बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि अनुराग और राहुल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सौरभ सड़क पर तड़पता रहा। हादसे की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग भागकर आए। ग्राम प्रधान प्रफुल्ल पटेल भी मौके पर पहुंचे। सूचना मिलते ही कोतवाल अमरनाथ यादव पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। घायल सौरभको एम्बुलेंस से सीएचसी पुरवा भिजवाया गया। सीएचसी पुरवा में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर तपन गुप्ता ने सौरभ गौतम को भी मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मोबाइल के जरिए मृतकों के परिजनों को सूचना दी। हादसे की खबर मिलते ही तीनों के घरों में मातम छा गया। है। वो अस्पताल पहुंचे। परिसर में चीख-पुकार मच गई। अनुराग ट्रक ड्राइवर था। ट्रक चलाकर अपना परिवार पालता था।

३ साल पहले रोशनी देवी से शादी हुई थी। तीन दिन पहले बेटी का पिता बना था। रविवार को उसकी छठी थी। अनुराग तीन भाई हैं- बड़ा भाई अजीत और छोटा भाई अनूप। राहुल की अप्रैल में होनी थी शादी: राहुल के घर पर मां रेनू, एक छोटा भाई रोहित और बहन रिंकी है। राहुल के पिता का १६ साल पहले ही निधन हो गया था। तब से वो दूध का व्यवसाय करता था। उसकी शादी तय थी। २५ अप्रैल को उसकी बारात जानी थी। पुणे में नौकरी करता था सौरभ: सौरभ गौतम के घर पर छोटा भाई शिवा है। सिकंदरपुर में अपने मामा के यहां रहकर जेसीबी चलाता था। वह पुणे में नौकरी भी करता था।

जनपद झांसी में भव्यता के साथ मनाया गया उत्तर प्रदेश दिवस 2026

केन्द्रीय मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा झांसी के जिलाधिकारी के सम्मान पर जनपदवासियों को बधाई, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सम्मान समारोह का आयोजन

देवेश प्रताप सिंह राठौर

झांसी, उत्तर प्रदेश। जनपद झांसी में उत्तर प्रदेश दिवस–२०२६ पूरे उत्साह, गरिमा और भव्यता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक विभाग उत्तर प्रदेश एवं जिला प्रशासन झांसी के संयुक्त तत्वावधान में पं. दीनदयाल उपाध्याय सभागार में सम्मान समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश की प्रभारी मंत्री, महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, उत्तर प्रदेश शासन श्रीमती बेबी रानी मौर्य ने की। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री श्रीमती बेबी रानी मौर्य ने जनपदवासियों को उत्तर प्रदेश दिवस की हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि आज उत्तर प्रदेश असीम संभावनाओं वाला प्रदेश बन चुका है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर लखनऊ में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ द्वारा झांसी के जिलाधिकारी श्री मृदुल चौधरी को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया है, जो पूरे जनपद के लिए गौरव की बात है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने बीमारू राज्य की छवि को पीछे छोड़ते हुए आज देश के विकास का ग्रोथ इंजन बनने की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाए हैं। प्रदेश सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने, नारी शक्ति को आगे लाने और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि युवा आज प्रदेश के विकास की धुरी बन रहे हैं और सरकार उनके कौशल विकास, स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उन्होंने उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक गठन की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश का गठन १ अप्रैल १९३७ को यूनाइटेड प्रोविन्स के रूप में हुआ था और २४ जनवरी १९५० को इसे उत्तर प्रदेश राज्य का दर्जा मिला। आज यह प्रदेश आध्यात्मिकता और आधुनिकता के संगम के साथ विकास और विरासत दोनों को आगे बढ़ा रहा है। कार्यक्रम के दौरान जनपद की उपलब्धियों और सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई। बताया गया कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के तहत अब तक २९६ एमओयू पर हस्ताक्षर हो चुके हैं, जिससे जनपद में विकास और रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना और मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के माध्यम से युवाओं को बैंक ऋण उपलब्ध कराकर स्वावलंबी बनाया जा रहा है। इस अवसर पर विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाली २३ विभूतियों को बुंदेलखंडी पट्टा, स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इनमें मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, विद्युत सखी, राष्ट्रीय स्तर के अंडरबॉल खिलाड़ी, जनपद के उत्कृष्ट उद्यमी श्री अमित सिंह (ज्वाइंट सेक्रेटरी, बुंदेलखंड चैंबर्स) तथा विवेकानंद यूथ पुरस्कार विजेता युवा चित्रकार श्री अर्शप्रीत सिंह शामिल रहे।

कार्यक्रम के अंत में प्रभारी मंत्री ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर उपस्थित जनसमूह को मतदाता शपथ दिलाई और अधिक से अधिक पात्र नागरिकों से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने की अपील की। कार्यक्रम से पूर्व प्रभारी मंत्री एवं अन्य अतिथियों ने उत्तर प्रदेश स्थापना, पर्यटन विभाग सहित विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए सरकारी योजनाओं पर आधारित स्टॉलों का निरीक्षण किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत लोकमान्य कन्या इंटर कॉलेज की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया, जबकि ब्लू बेल्स स्कूल के बच्चों ने 'मिट्टी: एक नई पहचान' नृत्य नाटिका प्रस्तुत कर दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षाविद एवं समाजसेवी डॉ. नीति शास्त्री ने किया। इस अवसर पर मंडलायुक्त श्री विमल कुमार दुबे, मुख्य विकास अधिकारी श्री जुनैद अहमद, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री पवन गौतम, महापौर श्री बिहारी लाल आर्य, विधायकगण, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी, लाभार्थी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

मालिक, प्रकाशक व मुद्रक- सुनील कुमार तिवारी द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट नं. ०४, ग्राउंड फ्लोर. एन.के.इंडस्ट्रीयल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नियर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं ०२, गोरेगांव (पूर्व) मुंबई-४०००६३ से मुद्रित व ६१७, बिल्डिंग नं.१४ नियर शिव शक्ति बिल्डिंग, गोलीबार रोड, सान्ताक्रुज़ (पूर्व) मुंबई-४०००५५ से प्रकाशित। संपादक : सुनील कुमार तिवारी, RNI. NO. MAHMUL/2017/74054, संपादकीय कार्यालय- कंटेश्वर सिंह चाल, अपोजीट एकताड़ मंडल, साईं बाबा रोड, खार (पूर्व), मुंबई- 400051, Mob.8898271111